

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 44]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्तूबर 31, 1981 (कार्तिक 9, 1903)

No

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 31, 1981 (KARTIKA 9, 1903)

इस मांग में भिन्न पृथ्ठ संस्था दो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

## भाग Ш—वण्ड 1

# [PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ मोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नहीं दिल्ली-110011, दिनांक 30 सितम्बर 1981

सं. ए. 38013/1/81-प्रशा. ।।।—कार्मिक और प्रशास-निक सुधार विभाग के का. जा. सं. 33/12/73-स्था. (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्ती के अनुसार संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के. स. से. के स्थायी अनुभाग अधिकारी तथा स्थानापन्न डस्क अधिकारी श्री आई. जे. शर्मा को 30 सितंबर 1981 के अपराह्न से निवर्तन आयु की प्राप्ति पर सरकारी सेवा से संवानिवृत होने की राष्ट्रपति व्वारा सहर्ष अनुमति प्रदान की जाती है।

य ा रा. गांधीं, अवर सचित् संघ लोक सेवा आयोग

#### गह मंत्रालय

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग

केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक

1981

सं० के०-13/71/प्रशा०-5-केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंद्गण तथा श्रपील) नियमावली, 1965 के नियम 9 (2) के द्वारा प्रवस शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेशक, केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, ्रतद्दारा निम्नलिखित श्रिधकारी को दिनांक 20-10-1977 से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, कार्मिक श्रौर प्रशासनिक सुधार विभाग में मूल रूप से पुलिस उपाधीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं:--

ऋ० सं०

ग्रधिकारी का नाम

पद-स्थापन का वर्तमान स्थान

पद जिस पर केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो <del>के पह</del>ले

से स्थाई है।

1. श्री करतार सिंह

सामान्य प्रपराध स्कंध, दिल्ली

निरी**झ**क*ैं* 

नई दिल्ली, दिनांक 12 अक्तूबर 1981

सं. ए-35018/15/79-प्रका: 1—पुलिस उप-महानिरी-क्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा, श्री देवी प्रसाद राय, पुलिस उप-निरीक्षक, पश्चिम बंगाल को दिनांक 1 सितंबर 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरों, के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग के सामान्य अपराध स्कंध, कलकत्ता में अस्थायी रूप से प्रतिनियुद्धित पर पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

> की. ला. ग्रोवर, प्रशासनिक अधिकारी (स्था) कोन्द्रीय अन्वेषण ब्युरो

महानिद्देशक का कार्यालय केन्द्रीय रिजर्वपृतिस बल

नई दिल्ली-110022, दिनांक 3 अक्तूबर 1981 सं. ओ. दो-1602/81-स्थापना—-राष्ट्रपति डा. नरेन्द्र कुमार को अस्थाई रूप से आगामी आदोश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्थ पृलिस बल में जनरल डुयुटी आफिसर ग्रेड-।। (डी. एस. पो . /कम्पनी कमाण्डर) के पद पर दिनांक 14 सितम्बर 1981 के पूर्वहन से डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर नियुक्त करते हैं।

ए. के. सूरी, सहायक निद्देशक (स्थापना)

# महानिद्योक का कार्यालय कोन्द्रीय आदियोगिक सुरक्षा बस

नर्षः दिल्ली-110019, दिनांक 3 अक्तूबर 1981

- सं.  $\mathbf{z}^{2}$ . -38013(4)/16/81-कार्मिक---राष्ट्रपति, के. औ. सु. ध. मे निरीक्षक आर. एस. श्रीवास्तव को तद्यर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट, उनके उक्त पद का कार्यभार संभालने की तारीख से, नियुक्त करते  $\mathbf{z}^{2}$ ।
- 2. उपयुक्ति नियुक्ति पूर्ण रूप से अस्थायी है तथा बिना नोटिस के समाप्त की जा सकती है।

सूरोन्द्र नाथ, महानिदोषक

वित्त मंत्रालय ग्रार्थिक कार्य विभाग बैंक मोट मुद्रणालय देवास, दिनांक 30 सितम्बर 1981

श्रमांक बी॰ एन॰ पी॰/सी॰/5/81—इस कार्यालय की समसंख्यक ग्रधिसूचना दिनांक 28-4-1981 एवं 24-5-1981 के ग्रनुत्रम में निम्नलिखित ग्रधिकारियों की तदर्थ नियुक्तियों की ग्रवधि उनके नाम के सम्मुख दर्शाई गई तिथि तक उन्हीं शतौँ एवं निबन्धनों पर बढ़ाई जाती हैं।

क्रमांक नाम	पद जिस पर तदर्थ नियुक्ति की गई	विनांक जब तक तद <b>र्थ</b> नियुक्ति बढ़ाई गई
सर्वश्री 1. वी० वेंकट रमणी	तकनीकी ग्रक्षिकारी (मुद्रण एवं प्लेट	01 10 01
ा. बार्र्यकट रन्या	तकनाका आवकारा (मुद्रण एवं ५००८ निर्माण)	31-12-81
2. भ्रार० सी० भ्रग्रवाल	यथा	31-12-81
3. भ्रमोक जोगी	यथा	31-12-81
4. ए० डी० देशपांडे	—यथा <b>—</b>	31-12-81

मु० वै० चार, महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय नई दिल्ली-110002, दिनांक 1 अक्लूबर 1981 सं. वा. ले. प. 1/323-69—महालेखाकार, कर्नाटक, बंगलीर के कार्यालय में कार्यरत श्री ए. एन. प्रभुशमाप्पा, लेखा-परीक्षा अधिकारी (वाणिज्यिक) अपनी अधिवर्षिता आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31-10-1980 (अपराहन) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो गये।

# दिनांक 6 श्रक्तूबर 1981

सं० बा० ले॰ प॰/112-80-प्रपर उप नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वाणिज्यिक) नीचे कालम 3 में लिखित कार्यालय के निम्नलिखित प्रनुभाग प्रधिकारी (वाणिज्यिक) जो वर्तमान में नीचे कालम 4 में लिखित संगठनों में बाह्य सेवा पर प्रतिनिमुक्ति पर

हैं, को 'तत् निम्न नियम'' के श्रन्तर्गत स्थानापन्न रूप से लेखा परीक्षा श्रधिकारी (वाणिज्यिक) के रूप में श्रागे आदेश दिये जाने तक नीचे कालम 5 में लिखित तारीख से नियुक्त करते हैं:—

ऋ० सं०	श्रधिकारी का नाम	किस कार्यालय का है	कार्यालय जहा प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत है	पद्मोन्नति की तारीख
1. श्री जे०	जगध्या	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदंशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, हैदराबाद	भ्रंडमान एवं निकोबार प्रगासन	31-10-80
2. श्री एस	० के० गुप्ता	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, नई दिल्ली	इण्डिया इ्ग्स एण्ड फार्मास्यूटिकल लिमिटेड	स 31-10-80
3. श्री एस	० <b>भार</b> ० दास	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, कलकत्ता	कलकत्ता मेट्रोपालिस डवलपर्मेट प्रयारिटी	1-4-81

एम० ए० सोमण्यर राव, उप निदेशक (वाणिज्यिक)

## महालेखाकार का कार्यालय, जम्मू व कश्मीर श्रीनगर, दिनांक 7 अक्तूबर 1981

सं प्रवाः 1/60 (88)/81-82/4138-45—महालेखा-कार जम्मू व कश्मीर श्री नगर ने इस कार्यालय के एक स्थाई अनुभाग अधिकारी श्री एम. एल. बट्ट को 6-10-1981 (पूर्वाह्न) से टुरु 840-40-1000-द रो -40-1200 के वेतनमान मे स्थानापृन्न हीसियृत से लेखा प्राधिकारी के रूप में पदान्नृत किया है।

> ह. प्र. वास, (प्र. एवं प्राधि) उपमहालेखाकार

#### उद्योग मंत्रालय

(अदियो[गक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नर्ष दिल्ली-110011, विनांक 14 अक्टूबर 1981

सं. 12/165/61-प्रशासन (राजः)—-राष्ट्रपतिजी, लघु उद्योग विकास संगठन के सहायक आद्योगिक डिजाइनर श्री सी. बार. पकराशी को निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर दिनाक 31 अगस्त, 1981 (अपराहन) से सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने की अनुमति प्रदान करते हैं।

सं. ए-19018/221/75-प्रशा. (राज.)—-राष्ट्रपति, विकास आयुक्त (लघू उद्योग) के कार्यालय के श्री एस. सी. कुमार, सहायक निवंशक, श्रेड-1 (कांच/मृत्तिका) को इसी कार्यालय में विनांक 11 सितंबर 1981 (पूर्वाह्न) से उप निवंश्यक (कांच/मृत्तिका) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हुँ।

सी. सी. हाय उप निवंशक (प्रशासन)

#### आकाशवाणी महा निद्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितंबुर 1981

सं. 3/1/80-एस-तीन-खण्ड-एक—श्री आर. सी. अग्रवाल, विरिष्ठ इंजीनियरी सहायक, ने अपनी पदोन्नित होने पर दूर-वर्षन केन्द्र, श्रीनगर में सहायक इंजीनियर के पद का कार्यभार अस्थायी क्षमता में 2-7-81 के पूर्वाहन से संभाल तिया है।

#### दिनांक 25 सितंबर 1981

सं. 10/22/79-एस-तीन—महानिद शक, आकाशवाणी, एतद्व्वारा श्री एम. मथाई, वरिष्ठ इ जीनियरी सहायक (उनके मित्रमंडल सचिवालय से परावर्तन पर, जहां वे प्रतितन्युक्ति पर थ) को आकाशवाणी के सहायक इ जीनियर के सवर्ग में स्थानापन्न असता में पवान्ति करते हैं और उनको 4-8-1981 पूर्वाह्न से अगुले आवाश होने तुक आकाश्याणी, श्रियंन्द्रम् में तैनात करते हैं।

एचु. एन. बिश्वासु प्रशासन उप निद्शास कृतो महानिद्शास

# स्वास्थ्य सेवा महानिद्धेशालय नर्द्ध दिल्ली, दिनांक 29 सितंब्द 1981

सं. ए. 12026/2/80-(एक्. क्यू.) प्रशासन ।—-राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान पुस्तकालय के श्री सी डबराल, उपनिद्याक (पुस्तकालय) और श्री ए. जी. पाटिल, अपर उप सहायक निद्याक (पुस्त.) को कमशः अपर उप सहायक निद्याक (पुस्त.) और पुस्तकाध्यक्ष ग्रेड-। के पद पर 27 अगस्त, 1981 पृत्रीहन से परान्वृतित (रि्वर) कर विया ग्या है।

## विनांक 1 अवत्बर 1981

सं ु ए. 12025/13/80-(एन टी आई) प्रशासन-।— स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री एम्. वेकट रेड्डी को राष्ट्रीयृ क्षयरोग संस्थान बंगलौर में पूर्णस्या अस्थायी रूप से 5 सितबर 1981 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक कनिष्ठ जीवाणु विज्ञानी (बैकटिरिआलाजिस्ट) के पृद पर नियुक्त किया है।

> शाम लाल क्रुटियाला, उप निदेशक प्रशासन (शो एंड एम्.)

## नइ दिल्ली, दिनांक 29 सितंबुर 1981

सं. ए. 19018/21/81-के.स.स्वा यो .-। — स्वास्थ्य संवा महानिव शक ने डा. (कूमारी) पूर्णिमा साधू को 2 जूलाई, 1981 के पूर्वाहन से कोन्द्रीय सुरकार स्वास्थ्य योजना में होम्यों- पैथिक चिकित्सक के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त कर दिया है।

## दिनांक 3 अक्तूबर 1981

#### शुच्चिथ पत्र

सं ए. 19018/19/80-के. स. स्वा. यो. ।—इस निवेशालय की दिनांक 6 मार्च 1981 की अधिसूचना संख्या ए. 19018/19/80-के. स. स्वा. यो. -1 में ''डा. (कुमारी) रिविद्धा टंडन काथि'' नाम के स्थान पर ''डा. (कुमारी रिविन्धा दीनानाथ टंडन'' पर्वे।

सं ए 19018/21/81-के स स्वा यो -। — रवास्थ्य सेवा महानिद्येषक ने डा सामन्त राय सेरिन् को 10 सितम्बर, 1981 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में होम्योपेथिक चिकित्सक के पव पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

टी. एस. राव उप निदोशक प्रशासन (के. स. स्वा. यो.)

## नर्इ दिल्ली, दिनांक 1 अक्तूबर 1981

सं. 6-42/80-औ. नि.—-राष्ट्रपति ने डा. एस. के, राय को 17 अप्रैल, 1980 से केन्द्रीय औष्धि प्रयोगशाला कलकत्ता में निद्रोशक के पद पर स्थायी रूप से नियुक्त कर दिया है।

> शिव दयाल, उप निदोशक प्रशासन (स्टोर)

#### ग्रामीण पूर्ननिर्माण मंत्रालय

#### विषणन एवं निरीक्षण निद्यालय

#### फरीदाबाद, दिनांक 30 सितंबर 1981

सं 19025/19/81-प्र ।।।—शीमती स्रोन्द्र कार, विरिष्ठ निरीक्षक (वर्ग-।) की इस निर्देशालय के अधीन नर्इ विल्ली में दिनांक 11-9-81 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक विष्णन अधिकारी (वर्ग-।) के रूप में नियुक्त किया गया है।

#### दिनांक 13 अक्तूबर 1981

सं ए 19025/54/81-प्र तृ ।—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री भीमसेनाचार्य पुरोहित को इस निद्यालय के अधीन दिनांक 24-9-81 (पूर्वा) से अगले आदोश होने तक स्थानापन्न सहायक विषणन अधिकारी (वर्ग ।) के रूप में नियुक्त किया गया है।

बी. एल. मनिहार, प्रशासन निद्धाे कृते कृषि विपणन सलाहकार भारत सरकार

#### भाभा परमाण अनुसंधान केन्द्र

#### (कार्मिक प्रभाग)

बम्बर्च 400085, दिनांक 18 सितंबर 1981

सं. पोए/76 (3)/80 आर ।।। (1)——नियंत्रक भाभा परमाण अनुसंधान केन्द्र संयुक्त नियंत्रक, रक्षा लेखा कार्यालय सिकन्दराबाद के स्थायी अनुभाग अधिकारी (अ) श्री कृष्णमूर्ति विद्यनाथन को भाभा परमाण अनुसंधान केन्द्र में सहायक लेखा अधिकारी एद पर रुप्ये 650-30-740-35-880 द. रो.

40-960 के वेतन कम में, प्रतिनियुक्ति पर 10 सितम्बर, 1981 पूर्वीहन से 9 सितम्बर 1982 अपराह्न तक नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 22 सितंबर 1981

#### शृद्धि-पत्र

सं. पीए/79(11)/79 आर 111--भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में श्री करतार सिंह गोपाल वासवानी की 1 जून 1981 से अग्निम आदेशों तक सहायक कार्मिक अधिकारी पद पर स्थानापन्न नियुक्ति के संबंध में दिनांक 11 जून 1981 की समसंख्यक अधि-सूचना में आंशिक संशोधन के अनुसार उनका कुलनाम 'वासवानी' पढा जाय।

#### विनांक 3 अक्टूबर 1981

सं. पीए/34 (2)/80 जार ।।।——नियंत्रक, भाभा परमाणु जनुसंधान केन्द्र के स्थायी सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री स्ट नेले वत्सलन को इस अनुसंधान में 23 सितंबर 1981 पूर्वाह्म से अग्रिमें आदेशों तक सुरक्षा अधिकारी पद पर स्थानापन रूप में नियुक्त करते हैं।

सं. पीए/34 (2)/80 आर ।।—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र प्रिफ़ी, तारापुर के स्थामी सहायक सुरक्षा अधिकारी बसवन्त्रेया शिविलंगीया हुलि-गेरिमठ को बम्बई स्थित इस अनुसंधान केन्द्र में 28 सितंबर 1981 पूर्वाह्न से अग्निम आदेशों तक सुरक्षा अधिकारी पद पर स्थानायन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

ए. शान्ताकुमारा मेनोन, उप स्थापना अधिकारी

#### बम्बर्घ 400085, विनांक 23 सितंबर 1981

सं 5/1/81-स्थापना 11/3881—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री बी. आर. शिवलं, सहायक सूरक्षा अधिकारी को सुरक्षा अधिकारी को सुरक्षा अधिकारी पद पर 4-6-1981 (पूर्वाह्न) से 4-7-1981 (अपराह्न) तक तदर्थ रूप से स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हु<sup>3</sup>।

ओम प्रकाश बना, उप स्थापना अधिकारी

## परमाण् उत्रर्जाविभाग

## नरारा परमाणु विद्युत परियोजना

नराँरा-202389, विनांक 1 अक्तूबर 1981

क. न. प. वि. प./प्रधा/26(1)/81/एस/11808— नरिरा परमाण विव्यूत परियोजना, नरिरा, के मूख्य परियोजना अभियन्ता वि.प्रा. अ.प्र. के अर्धस्थायी नक्शानवीस 'बी' तथा राजस्थाप परमाण विद्यूत परियोजना के स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता ग्रेड एस. बी., श्री एस. के. रस्तोगी को विनांक सितम्बर 5, 1981 से अग्रिम आवेशों तक के लिए, नरिरा परमाण विद्युत परियोजना में स्थानापन्न वैज्ञानिक अधि-कारी/अभियन्ता ग्रेड एस. बी. के पद पर नियुक्त करते हैं।

> अ. वे. भाटिया प्रशासन अधिकारी कृते मुख्य परियोजना अभियन्ता

#### ऋय एवं भंडार निद्यालय

## बम्बर्६ 400001, दिनांक 3 अक्तूबर 1981

सं. नि/23/9/77-स्थापना/19257—क्रयं और भंडार निद्यालय के निद्याक ने श्री पी. एम. राव लेखा-अधिकारी ।। की छुट्टी मंजूर होने और स्थान्तरण पर श्री बाबूलाल मोहन लाल गनातरा सहायक लेखा अधिकारी को दिनांक 11-5-1981 से दिनांक 14-9-1981 तक के लिए इसी निद्येशालय में रुपये 840-40-1000-इबी-40-1200 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न लेखा अधिकारी ।। नियुक्त किया गया है।

के. पी. जोसफ प्रशासन अधिकारी

# राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना दिनांक 3 अक्तूबर 1981

सं. रापिविप/भर्ती/9 (9)81/स्थ/12—राजस्थान परमाण् विव्युत परियोजना के मूख्य परियोजना इजीनियर, राजस्थान परमाण् विजली घर के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न सहायक लेखाकार श्री आर. सी. शाह को राजस्थान परमाण् विव्युत् परियोजना में दिनांक 20-9-81 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक अस्थायी तौर से स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी के पद पर नियंक्ति प्रदान करते हैं।

एम . डी . गाडगील प्रकासन अधिकारी (स्थापना) वास्ते मुख्य परियोजना इंजीनियर

## (परमाण् सनिज प्रभाग)

#### हैवराबाद-50016, दिनांक 10 सितंबर 1981

सं. प. ख. प्र. - 1/1/81-भर्ती — परमाणु उर्जा विभाग, पर-माणु खनिज प्रभाग के निद्धाक एतद्द्यारा श्री इ सरार हु सैन इसराइ ली को परमाणु खनिज प्रभाग में 7 सितम्बर, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदश होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधि-कारी/अभियन्ता ग्रेड 'एस बी' नियुक्त करते हैं।

> एमः एसः राव वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

#### भारी पानी परियोजना

## बम्बई -400008, दिनांक 30 सितम्बर 1981

सं. 05012/भ5/स्था.प/5739—भारी पानी परियोजना को, विशोध-कार्य-अधिकारों, श्री कडमत्तू पचुपिल्ल र्ह राधा-कृष्णन, अस्थायी सहायक लेखाकार, भारी पानी परियोजना (तलचर) को उसी कार्यालय में जुलाई, 1 (पूर्वा.), 1981 से अगस्त (अपरा.) 1981 तक के लिए श्री वी. बी. स्वामी, सहायक लेखा अधिकारी, जो अपने मूल कार्यालय को प्रत्यावर्तित हो गए हैं के स्थान पर अस्थायी रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

र च कोटिअनकर प्रशासन अधिकारी

## महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

#### नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1981

सं० ए० 32014/1/80—ई० ए० महानिदेशक नागर विमानन ने निम्निलिखित विमानक्षेत्र सहायकों को, प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से छः मास की श्रविध के लिये अथवा पदों के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, सहायक विमान क्षेत्र श्रिधिकारी के ग्रेड में तर्दर्थ श्राधार पर नियुक्त किया है। इन्हें दिल्ली एयरपोर्ट, दिल्ली में तैनात किया गया है।

कम स० नाम	तारी <b>ख</b>
1. श्री के० एन० मेहता	20-8-81
2. श्री बलवन्त राय	20-8-81
	सुधाकर गुप्ता
	उप निदेशक प्रशासन

## केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहर्तालय

#### सीमाशुल्क / स्थापना

#### मद्रास-।, विनांक 6 जुलाई 1981

सं. 9/81—-श्री एम. पाक्कीयम को संघ लोक सेवा आयोग के उम्मीदवार 3-7-81 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक, अस्थाई रूप से सीमाधुल्क घर में सीधी भर्ती अप्रैसर (गैर-विशेषक्र) नियुक्त किया जाता है। वे दो साल तक प्रीवीक्षाधीन काल में रहींगे।

#### दिनांक 21 जुलाई 1981

सं. 11/81— श्रीमती एत्सी तामस को संघ लोक सेवा आयोग के उम्मीदवार 15-7-81 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक अस्थाई रूप से सीमाशुक्क घर में सीधी भर्ती अप्रेसर (गैर विशेषज्ञ) नियुक्त किया जाता है। वेदों साल तक परखाधीन काल में उहीं।

#### दिनांक 5 अगस्त 1981

सं. 12/81—-श्री जी. कल्याण रामन को संघ लोक सेवा आयोग के उम्मीदवार 27-7-81 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक, अस्थाई रूप से सीमाशुल्क घर में सीभी भर्ती अप्रैसर (गैर-विशेषज्ञ) नियुक्त किया जाता है। वे दो साल तक परखाधीन काल में रहेंगे।

## दिनांक 26 अगस्त 1981 सीमाश्लक/सिब्बन्दी

सं. 13/81—सर्वश्री एल. वी. मेनेसस, टि. आर. गावित्दराजन और ए. वासुदेवन को 13-7-81 के पूर्वाह्न मद्रास सीमाशुल्क घर में सीमाशुल्क अध्यक्ष (निवारक) के पद पर नियमित रूप में प्रवोन्नत किया जाता है।

ए सी. सल्वाना, सीमाणुस्क समाहर्ता

#### केन्द्रीय जल भ्रायोग

## नई दिल्ली, दिनांक 1 ध्रक्तूबर 1981

सं० ए० 19012/533/75—स्थापना-पांच—भ्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग निम्नलिखित श्रिधिकारियों को भ्रितिरिक्त सहायक निदेग्सक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियर) के ग्रेंड में, पूर्णरूप से श्रस्थाई तथा तदर्थ श्राधार पर ६० 650-30-740-35-810—द० रो०-35-880-40-1000—द० रो०-40-1200 के वेतनमान में छः माह की श्रविध के लिये या पदों के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, को उनके नामों के सामने दिखाई गई तारीख से स्थानापन्न रूप से कार्य करने हेतु एतुद्दारा नियुक्त करते हैं:—

क∾ सं०	श्रिधिकारी का नाम व पदनाम	श्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के रूप में कार्यभार संभालने की तारीख	जहां पदस्थापित है
1	2	3	4
1. सर्वेश्र	ो सी० के० एम० नाम्बियार, पर्यवेक्षक	14-8-81 (पूर्वाह्न)	एफ० सी० डी०-1 निदेशालय
2. ,,	एन० एल० वघेला, पर्यवेक्षक	10-9-81 (पूर्वाह्म)	जे० डी० —दो निदेशालय
3. ,,	मदनगोपाल ग्ररोड़ा, पर्यवेक्षक	14-8-81 (पूर्वाह्न)	टी० डी० निवेशालय
4. ,,	ए० बी० थामिया, पर्यवेक्षक	24-8-81 (पूर्वाह्न)	सी० एस० एम० भ्रार०.एस०
5. ,,	बी० भी० मायुर, पर्यवेक्षक	27-8-81 (पूर्वाह्न)	एफ० ई० निवेशालय
6. ,,	एस० सी० चोपड़ा, पर्यवेक्षक	11-9-81 (पूर्वाह्न)	पी० एण्ड श्राई० संगठन
7. ,,	जी० के० स्वामी, पर्यवेक्षक	11-9-81 (पूर्वाह्म)	रिजर्वायर मेडिमेंटेशन

ए० भट्टाचार्य, धवर सचिव

# नई विल्ली, दिनांक 3 अक्तुबर 1981

सं. ए-19012/1(5)/81-स्थापना एक—अधयक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री पी. के. गृप्ता, विरिष्ठ व्यावसायिक सहायक को अतिरिक्त सहायक निवेशक (हाई डोमेट) के पद पर रि. 650-30-740-35-810-द रो.-35-880-40-1000-द. रो.-40-1200 के वेतनमान में दिनांक 7-9-81 (पूर्वाह्न) से स्थानापन्न रूप में तदर्थ आधार पर छः माह की अविध के लिए अथवा इस् पद को नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

के. एन. भण्डाला, अवर सचिव

विधि न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय कम्पनी कार्य विभाग कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स बन्दना पिचर्स लिमिटेड के विषय में

#### जयपर, दिनांक 30 सितम्बर 1981

सं. सांस्थिकी/1270—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतव्य्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स बन्दना पिचर्स लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट विया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स बन्धीका इजीनियरिंग एण्ड क्रेम्किल इन्डस्ट्रीज प्रा. लि. के विषय में

## जयपुर, दिनांक 30 सितम्बर (1981

सं. सांस्थिकी/1370~-कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अन्सरण में एतस्क्वारा स्चना दी जाता है कि मैसर्स बन्धीका इंजीनियरिंग एण्ड केमिकल इन्डस्ट्रीज लि. का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियभ, 1956 और मैंसर्न अलंकार सोविंग्स एण्ड जनरल फार्झनेन्स प्रा. लि. के विषय मे

जयप्र, दिनांक 30 सितम्बर 1981

सं. सांस्थिकी/1497—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अन्सरण में एतव्व्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स अलंकार से विग्स एण्ड जनरल फाइनेन्स प्रा. लि. का नाम उक्त रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

क म्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स शीतल फाइनेन्सर प्राईवेट लिमिटोड के विषय मे

जयपुर, दिनांक 30 सितम्बर 1981

सं . सांस्थिकी/1643---कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतब्द्वारा सूचना दी

जाती है कि मेसर्स शीतल फाई नेन्सर प्राईविट लि. का नाम उक्त रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

काम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स कीवी शाल्वस प्राईविट लिमिटोड के विषय में

#### जयपुर, दिनांक 30 सितम्बर 1981

सं. सांस्थिकी/1730—कम्पनी अधिनियम 1956 को धारा 560 की उपधारा (5) के अन्सरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मैसर्स कांबी शोल्दम प्राईवेट लिमिटेंड का नाम उक्त रिजस्टर में काट विया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एस. पी. दीक्षित कम्पनियों का रजिस्टर राजस्थान, जयपुर

कस्पनी अधिनियम 1956 एवं जमशेद वाच्छा प्राइविट लिमिटोड को विषय में

बंबई, दिनांक 3 अक्तूबर 1981

सं 618/4627/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एसद्द्वारा सूधना दी जाती है कि जमशेद वाच्छा प्राईविट लिमिटोड का नाम उक्त रिजस्ट्र से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं युनिवर्सल नटस् एण्ड बोल्टस् प्रार्हिवेट लिमिटेड के विषय मे बंबर्ह, दिनांक 3 अक्तुबर 1981

सं. 15458/560/(5)—कम्पनी अधिनियस, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि युनिवर्सल नटस् एण्ड बोल्टस् प्राई वेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघिटित हो गई है।

क्रम्पनी अधिनियम 1956 एवं एस. एन. क्रे. ट्रेडर्स प्राईविट लिसिटोड को विषय मों।

## बम्बई, दिनांक 3 अक्टूबर 1981

सं. 619/19349/560(5)——कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एत्द्द्वारा मूचना दी जाती है की एम. एन. के. ट्रेडर्म प्राईवेट लिफिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं अमिव रिसर्च लोबोरटेरी प्रार्ह-बंट लिसिटोड के विषय में।

बम्बर्ड, दिनांक 3 अक्टूबर 1981

सं. 620/19454/560 (5)——कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्-

द्वारा सूचना दी जाती है कि असिव रिसर्च लोबोरेटरी प्रार्ह-वेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गर्ह है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं बिटा कोम प्राईविट लिमिटेड के विषय में।

# बम्बई, दिनांक 3 अक्टूबर 1981

सं. 617/1214/560 (5)——कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनूसरण से एतद्- द्वारा सूचना दी जाती है कि बिटा केम-प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मंन्सफोल्ड प्रार्डवेट लिमिटेड की

# बम्बर्ड, दिनांक 3 अक्टूबर1981

सं. 470/13758/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्-द्वारा सूचना दी जाती है की मंन्सफोल्ड प्राक्टिंवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं स्वास्तिक प्रापटींज प्राइविट लिमि-टोड के विषय में।

# बम्बई, दिनांक 12 अक्टूबर 1981

सं. 15302/560 (5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतव्द्वारा सूचना दी जाती है की स्वास्तिक प्रापटींज प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उकत कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 एवं शामरोक प्रांडक्टस् प्राइविट लिमिटोड को विषय में।

# बम्बई, दिनांक 12 अक्टूबर 1981

सं. 469/5472/560 (5)— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्-द्वारा सूचना दी जाती हैं कि शामरोंक प्रांडक्टम् प्राईविट लिमि-टेड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

ओम प्रकाश जैन कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र, बम्बई। प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, नर्ष दिल्ली-110002 नर्ष दिल्ली, दिनांक 1 अक्तूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ /एक्वीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2927,——च्किमें आर. बी. एल. अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या ई-258, है एवं जो ग्रेटर कौलाश-1, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरनरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हर्द्ध िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह<sup>3</sup> भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उप्धारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः-- (1) श्री प्रदीप कुमार खोसला सुपूत्र वि. आर. खोसला (घिद्या सागर खोसला) 115/6, अर्निवालास स्ट्रीट, कलकत्ता-4,

(अन्सरक)

(2) श्री लक्षमी कान्त सोनी, श्री सुरोश कान्त सोनी सुपृत्रु स्वर्गीय श्री एम के सोनी, 712-बाबा सङ्क सिंह मार्ग, नई दिल्ली

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खूसें
  45 दिन की अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियों प्र
  सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी
  अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया हैं।

## अनुसूची

मकान नं. ई-258, क्षेत्रफल 213 वर्ग गज, ग्रेटर क<sup>4</sup>लाश-। नई विल्ली

> आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नर्ह दिल्ली

तारीख : 1-10-1981

मोहरः

प्ररूप भार्ष: टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार-

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, नई दिल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्तुबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्बीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2838,—चूं कि मैं आर बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी मंस्या नं. 3, है एवं जो साधना इनक्लेव, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण सलग्न अन्मूज़ी में दिया गया है) की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यान लय में दिनांक फरवरी 1981

करें प्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान करने का कारण है कि यथापृवांक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

कतः वयः, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग को, अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :—— 2—306GI/81 (1) श्री वि जे एफ, कुलन्डे, 3-साधना इनक्लेव, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सूभा लक्षमी लान, सी-38, पंचशीला इन्क्लेब, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पद्धिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं. 3 साधना इनकलेव, नई दिल्ली

आरं बी. एल ज्याबाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षीय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त वर्जन रज-1, नई दिल्ली

तारीख : 1-10-1981

मोहर 🗄

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर द्यायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, नहीं दिल्ली-110002

नर्द्द दिल्ली, दिनांक 1 अक्तूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2831,——भूकि में आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लाट नं. 3, ब्लाक नं. 'एन' है एवं जो ग्रेटर कैलाश-1, नर्इ दिल्ली, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण सलग्न अनुसूची में विया गया है) की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नर्इ दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी 1981

को पूर्वीक्रत संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के अन्तरित को गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्रत संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे अधने मे मृष्यि। के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, या धन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में स्विधा कै लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री हुरी लाल गोवरधन सुपृत्र स्वर्गीय श्री राम प्रसाद, गोवरधन, सी-15, चीराग इनक्लेव, नर्झ दिल्ली कवारा अटनी श्रीमती उपा मोकरधन,

(अन्तरक)

(2) श्री अरून मितल स्पृत्र श्री वि. बी. मितल, ए-3, ग्रेबर कौलाश इनक्लव-1, नर्क दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जभ के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास. लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अमुसूची

प्लाट नं . 3-, ब्लाक नं . 'एन' 309 वर्ग गज , ग्रेटर कौलाश-। , न**र्ह दि**ल्ली

> आर. बी. एल. अग्रवाल **स्काम प्राधिकारी** सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>न</sup>ज-1, नई दिल्ली

**सारीस : 1-10-1981** 

मोहर्

प्ररूप. आइ⁴. टी. एन. एस.-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज, नहीं दिल्ली-110002
नहीं दिल्ली, दिनांक 1 अक्तूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ /एक्वीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2902 - -चुिक मै, आर बी एल अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्मित बाजार मृल्य 25,000 ∕-रुतः से अधिक **ह**ै और जिसकी मंख्या एस-296 है एवं जो ग्रेटर कौलाश-2, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तत विवरण संलग्न अनसची में दिया गया है) की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधीकारी के नई दिल्ली स्थित कार्या-लग में दिनांक फरवरी, 1981 को पुर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई और मफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तक दश्यमान प्रतिफाल से ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और√या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में स्थिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारी 269-ग के, अन्सरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों अर्थातः-- (1) श्री ए. एस. रघनाथन, म्पूत्र स्वर्गीय श्री ए. एस. योगर, बी/5/133, सफदरजंग इनकलेव, नर्इ दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री हरबंस लाल सुपुत्र स्वर्गीय श्री अमर नाथ कौनोथ ही-128, ग्राम मोहमवपुर, नियर आर. के. पुरम, नहीं दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारीं करके पूर्वांक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकर्णः—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्लाट नं एस-296, ग्रेटर कौलाश-2, नई दिल्ली

आर. बी. एत. अऱ्यातः सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-१, नई दिल्ली

तारीख: 1-1<sup>-</sup>0-1981

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

मायकर मिलियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, नर्ह दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 1 अक्तूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2898—कृ कि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, आग्रकर प्रश्नितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रश्नियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूच्य 25,000/- द० से अधिक है.

और जिसकी संस्या ई-469, है एवं जो ग्रेटर कैलाश-2, नई विल्ली में स्थित हैं, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारों के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्नविक रूप से किश्त नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत जक्त धिक्ष नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसीं भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भव, उक्त प्रविभियम की धारा 269-ग के प्रमुग्नरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, तिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :-- (1) श्रीमती स्वर्णा सहगल और श्रीमती संगीता घोपडा, डी-289 डीफेस कालोनी, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) डा. राज कामार डोग्रा और मि प्रकाश डोग्रा जी-51, मस्त्रीद मठ, नई विल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धनक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उनत ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रयं होगा जो उस भ्रध्याय में दिय। गया है।

# मनसूची

प्रो. नं. ई-469, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली

आर.बी.एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-1, नई दिल्ली

तारीख: 1-10-1981

मोहर

## प्रकाश आई० दी । एन० एस •---

# भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज, नई विल्ली-110002 नई दिल्ली, दिनांक 1 अक्तूबर 1981

संदर्भ 3 नि.ंस. आ. आ./एक्वीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2877—चूं कि में आर. बी. एल. अग्रवाल, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'तक्क महिन्यम' कहा गया है। की घरा 269-क के

पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संगति जिम का उचित बाजार मूल्य 25,000/- घ० से प्रधिक है

और जिसकी संख्या सी-18, है एवं जो निजामुब्बीन वेस्ट, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिनियम के नई दिल्ली स्थित कार्या-लय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित, बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत में प्रधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कि निम्निक्ता उद्देश्य । उना प्रन्तरण निव्दिन में वास्नविक स्प से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपने बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किमी आय या किसी धन या धन्य धास्तिवाँ
  को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
  (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
  के प्रयोजनार्थं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
  गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
  सुविधा के लिए;

ग्रत: अब, उन्त ग्रिधिनियम, को धारा 269-ग के भनुसरण में में, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निस्ति जिल व्यक्तियाँ मुर्थात् ध--

- (1) श्री प्रेम पटनायक सूपृत्र बी. पटनायक नं. 2, सेन्द्रल एवन्यु, महारानी बाग, नर्झ विल्ली (अन्तर्क)
- (2) श्री अमत अली, हसम अली, सुपृत्र हसमत अली और नसीर अली (माइनर) देवारा उसके पिता, हसमत अली, 1335, कालन महल, दरीया गंज, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजेत के गम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूत्रता के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दित की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप सूजना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्परशक्तरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों ख़ौर पदों का, जो उक्त ख्रिधिनियम, के ब्रह्माप 20-क में परिभाषित हैं, बही खर्थ होगा, जो उप प्रध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मकान नं. सी-18, क्षेत्रफल-200 वर्ग गज, निजामूब्दीन वेस्ट, नर्इ विल्ली

आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, नई दिल्ली

तारीख: 1-10-1981

प्ररूप आइ दी. एन. एस.-----

# आयक्तर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन राज, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, विनांक 1 अक्तूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2887—चूकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, ग्रायहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (और जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्यति जिसका उच्चत बाजार मूख्य 25,000/- रुपये मे प्रक्षिक है

और जिस्की संख्या डी-168, है एव जो डीफेंस कालोनी, में स्थित हैं, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची मे दिया गया है को पजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नहीं दिल्ली स्थिस कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भन्तरण स हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिन्न-नियम के भन्नीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिश्चित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिश्चित्यम वा धनकर ग्रिश्चित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया श्रेजाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नृतिकित स्यापित्यमां स्थाति:--

- (1) श्रीमती शिला सिंह पत्नी स्वर्गी य ठाक्र भागीरथ सिंह डी-168, डिफोस कालानी, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्रीमती मुक्ति राय पंत्नी श्री अमल क्मार राय और श्री अमल कुमार राय सुपुत्र स्वर्गीय श्री ललीत कुमार राय, सी-162, डिफेंस कालानी, नर्इ दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

छ÷त सम्मति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचनां के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किमी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये ज(सकेंगे।

स्वद्धोकर गः-- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदो का जो उक्त अधि-नियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

## अभूस्ची

मकान नं. डी.-168, डिफोस कालेनी, नई दिल्ली, क्षेत्र-फल-325 वर्गगज,

> आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयक्त (निरौक्षण) अर्जन रॉज-1, नई दिल्ली

तारीख: 1-10-1981

प्ररूप आई. टी. एन . एस . -----

# आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, नर्झ विल्ली-110002 नर्झ विल्ली, दिनांक 1 अक्तूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्बीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2928--- चू कि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/~ रह. से अधिक हैं और जिसकी संख्या ए-68, है एवं जो एन. डी. एस. ई भाग-2, नई दिल्ली में स्थित हैं, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण सलग्न अनुसूची मे दिया गया है) की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई विल्ली स्थित कार्यालय मुंदिनाक फरवरी, 1981 का पुर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) श्रीमती पूष्पा संठी पत्नी श्री एस. पी. संठी, 28, नस्तनक गंड, नई विल्ली

्(अन्तरक)

(2) श्रीमती बेद्र कौर पत्नी सरदार सजन मिह, ई-28-ए, राजौरी गाड में, नई विल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा:
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पोत्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्रारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्वव्यक्तिकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हुँ, बहुी अर्थ होगा आं उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं. ए-68, एन. डी. एस. र्इ. भाग-2, नर्इ दिल्ली, 250 वर्गगज,

> आर. बी. एत. अग्रयाल सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आय्**क्त (निरक्षिण) अर्जन रज-1, नर्द्य दिल्ली

बंत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

तारीख: 1-10-1931

प्रलप आई. टी. एन. एस.-----

आंयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, नई दिल्ली-110002

नर्ह दिल्ली, दिनांक 1 अक्तूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्बीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2830---चू कि मै, आर. बी. एल. अग्रवाल, आग्रवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या बी-13, हैं एव जो संय फेयर गार्डोन, में स्थित ही, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया ही) की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यान्त्य में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्विकंत सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है. और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग **के अनुसरण** में, ∔ैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात्ः--- (1) श्रीमती आशा भवनानी पत्नी श्री हिरा लाल भवनानी, द्वारा अर्टानी मि. बादल सुपुत्र श्री एच. उत्तम, बी/2/3, सफदरजंग इनक्लेव नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री महतानी मोहनी ठाकुर दास और मि. महतानी ठाकूरदास सपूत्र श्री नारायण धास, बी-60, मेय-फेयर गार्डोन, नक्ष विल्ली

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, खों भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# नगुलुकी

प्रो. नं. **बी.-13,** सेयफेयर गार्डोन, न**र्ह विल्ली, कामपो-**लिटन कोन्ओपहाउसिंग सोसाइटी लि. नर्द दिल्ली

आर. बी. एल. अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्तर आयुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रॉज-1, नेई क्लिली

तारीख: 1-10-1981

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002

नर्ष दिल्ली, विनांक 1 अक्तूबर 1981 संदर्भ सं० 3 नि० स० झा० झा०/एक्वीजीशन 2/एस

81/2892—चूं कि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या एस-42, है एवं जो ग्रेटर कैलाश-2, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनृस्ची में विया गया है की पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी से नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की दृं हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक स्प से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर क्षिंधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात :-- 3—306GI/81

(1) श्री गुरविन्दर सिंह खुराना, ई-118, इस्ट आफ कौलाश, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मैं जावेद भाई एण्ड कं. प्रा. लि. एस-42, ग्रेटर कौलाश-2, नई विल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मक्कीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### त्रप्रसाची

मकान नं. एस.-42, ग्रेटर कीलाश-2, नई विल्ली क्षेत्रफल 300 वर्ग गज-

> आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आय्कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।, नर्ड दिल्ली

तारीख : 1-10-1981

मोहरः

प्ररूप बार्ड टी. एन. एस.-मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के समीन सुचनाः

#### भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, नर्झ विल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 1 प्रक्तूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2897--चंकि मैं आर. बी. एल. अग्रवाल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर बात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- व्यये से ब्रधिक है और जिसकी संस्था दी-1/12, है एवं जो बसन्त विहार, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) कि पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16मा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के नश्यमान प्रतिकास के सिए सन्तरिक्ष की वर्ष है और मुक्के यह विश्वास करने आ आरच्य है कि यबापूर्वोक्ट सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रश्नेष्ठ प्रतिभत से अधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) बौर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फेल निम्नलिक्त उल्लेख से उ**स्त बन्तरण विविद्य में बास्तविक** क्ष्प से हिम्बत नहीं किया गवा है ----

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रधि-नियम के ग्राधीन कर देने के ग्रन्सरक के बायिल में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; पौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रास्तिमीं को, जिम्हें भारतीय आयकर घछिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय द्मश्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया वा या किय। जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविद्या के सिए;

जलः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 को अनुसरण में, मैं इन न अधिनियम की झारा 26 क- व की उपधारा (1) के नधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, श्रथीत :---

- (1) श्री चन्द्र भूषण, 26 शिव तिर्थ-1, भला भाहीं दोशाई रोड, बम्बेय-26 (बन्तरक)
- (2) श्रीमती शोल जैन, 2600, छाटा प्रताप सिंह किनारी बाजार, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्रवीवत सम्पत्ति के प्रजीन के छिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के श्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की प्रविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों परं सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्त द्वाराः
  - (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रशोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उनत ्रंग्र**धिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित** है, वही प्रर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

# मनसूची

प्लाट नं ु बी-1/12, बसन्त विहार, नई विल्ली।

भार**ः बी**. एलः अग्रवालः सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्ज-1, नई दिल्ली

तारीख 🖰 1-10-1981

प्ररूप आहार ही . एन . एस . ------

भायकर भििन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

#### जारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, नहीं विल्ली-110002 अर्जन रोज-1, नहीं विल्ली-110001

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2910-- पृक्ति में, आर बी अग्रवाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम,' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या ई-83, है एवं जो एन डी. एस. ई. भाग-1, में स्थित हैं, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संग्लन अनुसूची में दिया गया है) कि पजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वा) के अधीन, पजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनाक फरवरी, 1981

को पूर्वेक्त सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित मे बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वृष्ते में सूनिशा के तुसूर; बाँड/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय था किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

(1) डा. एस. डी. वर्मा, सूपूत्र स्वर्गीय श्री होमराज वर्मा इं-83, न्यू दिल्ली साउथ एक्स. भाग-2, नर्ह दिल्ली

(अन्तरक)

'(2) श्री तुफल अहमाद सपुत्र श्री अबब्जल लतीफ और मोहमद इकबाल अहमद, सूपूत्र तुफल अहमद मकान नं 3189 कुचा पंडीत लाल कुवा, दिल्ली (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया ग्या है।

# भनुसुची

भकान नं. ई-83, एरीया 200 वर्ग गज, नई दिल्ली साउथ एक्स. भाग-1, नई विल्ली।

> आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी निरीक्षीय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त अर्जन रंज-1, नई दिल्ली

जतः अब, उक्त जीधनियमः, की धारा 269-क की अन्तरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् के

तारीख 🛭 1-10-1981 मोहर 🕄

## प्रक्ष पाई ॰ टी ॰ एन • एस • →---

धायकर धिवनियम, 1 (1961 का 43) की छारा 269-च (1) के धिधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रज, नर्द दिल्ली-110002 नर्द दिल्ली, 1 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2912—चूं कि में, आर. बी. एल. अग्रवाल, भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-च के घवीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-६० से ग्रधिक है

और जिसकी संख्या डी-221, हैं एवं जो डीफेंस कालोनी, नई दिल्ली में स्थित हैं, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है की पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन, पजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनाक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वाम अपने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह इतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तिक क्य से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भवि-नियम के भवीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अस्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, छन्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के भूषीन, निक्तीसंख्ति स्पिनत्यों, भूषत् :---

- (1) स्वर्गीय करन्ल सीता राम आनन्त सुपुत्र श्री उत्तम भन्द आनन्द, 109, विकटोरीया रोड, जबल पुर, व्यारा जी/एएयर कडिर ए. आर. आनन्त (अन्सर्क)
- (2) डा. सूरोश महाजन, सूपुत्र डा. एम. आर. महाजन, 15571 सेवन पिन्स एवन्य, यू. एस. ए. ड्वारा श्रीभती स्वरन तता गृथ्ता जी/ए,

(अन्तर्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भाग्य व्यक्ति द्वारा भाषीहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छी चर्ज :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त प्रधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं प्रयं होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

#### नगत्त्री

प्रो. नं. डी-221, डिफॉस कालोनी, नई विल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रजे-1, नुई दिल्ली

तार<del>ीत</del> 🖰 1-10-1981

प्ररूप आहर्ष. टी. एन. एस. -----

अनयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नई विल्ली-110002

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि . स . आ . आ . /एक्बीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2821—च कि मैं, आर बी एल अग्रवाल. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित धाजार मृल्य 25,000/~ रह. से अधिक हैं और जिसकी संख्या ई-252, है एवं जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित हैं, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है कि पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वा) के अधीन पंजीक रण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है औग मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स संप्रित का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया

गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित

में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की जाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लियै; और/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री पवन कुमार चन्दों क सूपूत्र श्री जे. आर. चन्दों क, इं-116, ग्रेटर की लाग-1, नई दिल्ली

(अन्तरुक)

(2) श्री राधा कृशन गुप्ता सृपृत्र लाला रथबर दयाल गुप्ता श्रीमती बिमला गुप्ता पत्नी राधा कृशन गुप्ता, ई-252 ग्रेटर कीलाश-1, नई दिल्ली

(अन्तरिसी)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यापतः;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में खिया गया हैं।

#### असमाची

मकान नं. ई-252, ग्रेटर कौलाश्-1, नई दिल्ली, 211 वर्गगज्।

> आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षय प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, नहीं दिल्ली

अतः अभ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसर्ण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निलिश्चन अवित्यों, अर्थीन हिन्न

तारीच ः 1-10-1981 मो**हर** ध

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रंज-।, नर्ष विल्ली-110002

नह दिल्ली, 1 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एववीजीशन ।/एस-आर-3/2-81/2840——चूं कि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, झायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से मधिक है

और जिसकी संख्या ई-39, है एवं जो कालीन्दी कालोनी, में स्थित हैं, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है कि पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वा) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनाक फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिलत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजा र मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) ग्रोर ग्रान्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण किखिता में वास्त्रिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, चक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रत्य ग्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत श्रधिनियम, या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाह्निए था, छिपाने में सुविधा के किए;

ग्रत: ग्रब, उक्तवधिनियम की धाए २०० व के धनुसरण वें! मैं उक्त भविनियम की धाए २०० व की उपधारा (1) के अभीन निम्मलिखित व्यक्तियों ग्रव्हीतृ!— (1) श्री तारा चन्द सुपुत्र रामा नन्द, 13-म्यूनिसीपल कमला नगर, नई दिल्ली

(अंतरक)

(2) श्री सुरोश अग्रवाल सृपुत्र श्री वलीप सिंह अग्रवाल और स्नोह अग्रवाल पत्नी श्री सुरोश अग्रवाल 678/1, जिमला भवन, काबूल नगर, शाहबरा, दिल्ली।

(अंतर्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजँन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रासेप-

- (क) इस भूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होतो हो, के भीतर पूर्वीकत क् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्रारा।
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोत्रस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सक्तेंगे।

स्वब्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों छोर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## नृगुत्तुची

प्लाट नं. ई-39, कालीन्दी कालोनी, 418 वर्ग गुज, नई दिल्ली।

> आर. बी. एल. अग्रवाल सुक्षय प्राधिकारी स**हायक बायकर बायुक्त (नि<u>र्</u>रीक्षण)** अर्जन रेजू-।, नहें <u>वि</u>रुक्षी

तारीब 🛭 1-10-1981 कोर्ड : प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, नहीं दिल्ली-110002

नर्षे दिल्ली, 1 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन ।/एस-आर-3/2-81/2843— चूंकि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 राज्यिक क्षी क्षीसक की

देसे अधिक हैं
और जिसकी संख्या डी-34, है एवं जो एन. डी. एस. है.
भाग-2, में स्थित हैं, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
अनुसूची में दिया गया है कि पंजीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नहीं दिल्ली
स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981
को पूर्वों कित सम्परित के जिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वों कित संपत्ति का अधिक बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरित्याँ) के भीष एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-

फल निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिबित में बास्तयिक

रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—

- (1) श्रीमती दया बन्ती, मिस संजीवनी (माइनर) 704-707, चांदी महल, दरीया गंज, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) मैं. सरस्वती बिल्डर्स फेस-2, नई विल्ली जी-1/ 16, वरीया गंज, दिल्ली, द्वारा श्री सतीश संठ, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब कें
  45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के
  पास लिखित में किए जा सकागे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>5</sup>, वहीं अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

#### अगलकी

प्रो. नं. पी/34, एन. डी. एस. ई. भाग-2, नई दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्क (निरीक्षण) अर्जन रज-ा, नर्दे विल्ली

तारीख : 1-10-1981

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र ज-।, नहीं दिल्ली-110002 नहीं दिल्ली, 1 अक्टूबर 1981

संदर्भ 3 नि . स . आ . आ . /एक्वीजीशन । /एस-आर-3/2-81/2911--चूं कि मैं, आर. बी. एल. अग्रवाल, बाबकर जोधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उपित बाजार मुख्य 25,000/ रु. से अधिक हैं और जिसकी संख्या 11/90, हैं एवं जो कनांट सर्कस, में स्थित हैं, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनसची मे दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गुया हैंड--

- (क) जन्तर्ग से हुए किसी भाग की वागत, उक्त आर्थिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के वासिक में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (च) एसी किसी नाय या किसी भृत् या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती च्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः मद, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के, अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन निम्मलिक्ति <u>व</u>्यक्तियाँ म्याँतु:-- (1) में. रेलीयस इन्डीया लि. अटर्नि श्री अमर नाथ पियारेलाल, नं. 13, जयपुर इस्टेट, निजामुद्दीन, इस्ट, नर्ड दिल्ली

(अन्तरक)

(2) मैं. राजीव मोटर्स प्रा. लि. 11/90, कनांट सर्कांस, नर्इ दिल्ली

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पृत्रों कर सम्पृतित के अर्थन के हिस्सू कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🕬

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों करू, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—हसंमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं,। वहीं अर्थ होगा, जो उस् अध्याय में विया गया है।

#### वग्त्वी

प्रो. नं. 11/90, कनांट सर्कास, नर्इ दिल्ली।

आर. बी. एल. अग्रवाबः सक्षय प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।, नर्द दिल्ली

तारीख : 1-10-1981

प्रा**क्ष्य मार्ड• टी• एन०** एस•---

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-।।, अहम्दाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 अक्तूबर 1981

निद्या नं. पि. आर. नं. 1188/एक्वी-23-11/81-82 ---अतः मुभ्ते, जी. मी. गर्ग,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के घंधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार प्रस्य 25,000/- वपए से प्रधिक है

और जिसकी संख्या पलाट नं 326, सेक्टर नं 22 है। तथा जो गांधी नगर में स्थित हैं (और इससे उपाबक्ध अनुमूची मे और पूर्ण रूप से विज्ञात हैं), रिजिस्ट्रीकर्हा अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-2-81

की पूर्व कि सम्पन्ति के उचित बाजार मूहण से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विद्यास करा का कारण है कि यथापूर्विकत सम्परित को उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिग्रा से अधिक है और पन्तरक (प्रन्तरकों) और पन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गाप्रतिक्ष्य निम्मलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निश्चित में बास्तरिक कर से जिया नहीं किया क्या है:--

- (क) प्रश्नरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त पश्चितियम है मधीन कर देने के मस्तरक के वायित्व में हमी करने या उससे बचन में सूबिधा के सिए; और/या
- (खा। ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य मास्तिथों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर मिमिन्यम, 1922 (1922 का .11) या उक्त भिमिन्यम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विकास जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अ**बं, उ**न्तं प्रधिनियम **को धारा** 2**69-गं के घनुसरण** में, में, उन्तं **प्रधि**नियम की **धारा 269-ण** की उपधारा (1) के अधीन, मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--4—306GI/81

- (1) श्री लाल भाई चन् भाई एटल और मधुबन लाल भाई पटल, मेल्टर नं 22, गांधीनगर। (अन्तरक)
- (2) श्री आर. ज. पटेल 1, संक्टर नं 22, प्लाट नं 326, गांभीनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में क्रोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविष्ठ मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविष्ठ, जो भी धविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के धीतर वृजीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त क्वावर सम्मति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहक्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो छक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो एस सम्बाय में विया गया है।

## भ्रनसूची

जमीन और मकान प्लाट नं 326, सेक्टर नं 22 जो गांधी-नगर टाइजन शिप में स्थित है और जो बिक्कीखत नै 309 पर संपूर्ण वर्णन पर गांधीनगर सब रिजस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 26-2-1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

> जी. सी. गर्ग, सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-11, अहमवाबाद

तारीख : 5-10-198<mark>1</mark> मोहर : प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

ष्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) को अभीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 6 अक्सूबर 1981

निदोश नं पि आर न 1189/एक्की-23-।।/81-82 ---अत मुक्ते, जी सीगर्ग,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269- इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं

वीर जिसकी स. ब्लाक न ए-4/6, बि आई डि सि लिमिटडे एस्टेट हैं तथा जो गोरवा, बरोडा में स्थित हैं (और इससे उपावव्ध अनुसूची में और पर्ण रूप से विणित हैं), रिज-स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरोडा में रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-2-1981 को पूर्वोक्त संपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपित का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दृह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित मे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को आवत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के ज्योन निम्नसिक्त व्यक्तियाँ अर्थात:--

- (1) श्री पटोल रमंशभाई मगन भाई, विशवास कालोगी, अलन्तापुरी, बरोडा।
  - (अन्तरक)
- (2) 1 श्री पटले जितेन्द्राक्त्मार मगन भाई
  - 2 पटल बकल दया भाई,
  - 3 पटेल उर्वशी पारितोष, ज्ना प्रदरा रोड, बेराडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से
  45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी र्रें
  अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## **अनुस्**ची

जमीन और औद्योगिक शंड जो ब्लाक न ए-4/6 बी. ए डी. सी लिमिटेड, एस्टेट गोरखा, बरोडा, में स्थित हैं और जो बिकालन नं 1210 पर संपूर्ण वर्णन पर तारील 27-2-1981 में सब रिजस्ट्रार बरोडा के कार्यालय में रिजस्ट्री की गयी हैं।

> जी. सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

मो**हर** तारीख · 6-10-1981 प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण)

भर्जन रंज-।।, अहमवाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 6 अक्तूबर 1981

निद्यंश न . पि . आर न . 1190/एक्वी-23-।। /81-82 --अत. म्फॉ, जी . सी गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं नोव नं 960, वार्ड नं 2, तथा जो सूरत में स्थित हैं (और इसमें उपाबस्थ अनुमूची में और पूर्ण रूप से बर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-2-1981

को पूर्वोक्त संपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल रो, एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कभी करने या उससे वसने में सूविधा के लिए; बाँड/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी बन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योष्मार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) की अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री नटवरलाल जेटालाल, पुष्पाबेन नटवरलाल, निसंग शेरी, साग्रामपुरा, सूरत।
  - (अन्तरक)
- (2) श्रीमंती निर्मलाबेनं जंयवदन, मैसर्स सि. बी. कन्याट्रकशन कम्पनी का भागीदार नारसिंग शोरी, ससुग्राम्पुरा, सूरत।

(अन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पृत्ति के वर्णन के सुम्बुन्धु में कोई भी आक्षेप् :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी हसे. 45 विनृकी जनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 विनृकी जनिभ, जो भी भविभ बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याराह
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से . 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिबित में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, यो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गुसा हुँ।

# व्यव्यो

मिलकत जो नोंद नं. 960, वार्ड नं. 2, सुरत यथाविधि तारीख 2-2-1981 में रिजिस्ट्री की गयी हैं।

> जी. सी पर्ग सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

मो**हर**ः तारीब ः 6-10-1981

प्रस्प साई० डी॰ ए**म॰ एत॰--** ---आयकर अधिनियम 1961 (1981 का 43) की बारा

269-व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायेक द्यायकर द्यायुवस (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 6 अक्तूबर 1981

निदेशनं. पी आर. गं. 1191/एक्वी-23-11/81-82---अतः मुभ्ते, जी, सी गर्ग,

प्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 (जिथे इपर्ने इपके पश्वान् 'खका प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के मंत्रीत सक्षय प्राधिकारी को यह विश्वास करन का कारण र कि स्थावर सम्मति जिसका उचित बाजार मन्य 25,000/- स्पए में प्रक्रिक है

और जिसकी सं. एस. नं. 110, प्लाट नं. 11-ए-(पैकी) हैं। तथा जो बार्ड न 13-सी, नोंद नं 450, सी एस नं 11-ए मजूरा सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभीन 2-2-1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य में काम के दश्यमान प्राप्तिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमात प्रतिकतका पन्द्रह प्रतिशत से ब्राबिक है और बन्तरक (बन्तरकां) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित छरेण्या से उक्त भन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुई किमी ब्राय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; म्रोग/या
- (भ्र.) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं फिया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रव, उनत प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, अवत श्रोधनियम को धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन -निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातु:--

- (1) श्री गुणवनतरांय नानु भाई देशाई, नवचेतन सोसा-बटी, मजूरा, सुरत। (अन्तरक)
- (2) श्री पन्कजकामार हसमुखलाल कापाडिया, साधना सोसायटी बराछा राड, सूरत। (अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाडियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के भवंत के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन की भवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाचा:
- (खा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किमी प्रत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वध्याहरम :--इनने प्रयुक्त अब्दों भीर पद्यों का, जो उन्त अधि -नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्थे होता. तो उस प्रध्या ने दिया गया है।

## अनुसूची

मिलकत जो मजुरा एस. नं. 110, प्लाट नं. 110-ए (पी), वार्ड नं. 13-सी, नोंद नं. 450, नयी सी. ए. नं. 20 (पी) प्लाट नं 11-ए, सूरत, यथाविधि तारील 2-2-1981 मो रिअस्ट्री की गयी है।

> जी. सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, अष्ठमवाबाद

तारीख: 6-10-1981

## प्ररूप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-----

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मिधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) -अर्जन रंज-।।, अहम्दाबाद

अह्मवाबाद, विनाक 6 अक्तूबर 1981

निद्योग न . भी आर. न 1192/एक्बी-23-11/81-82 --अत: मुक्ते, जी. सी गर्ग,

म्रायकर म्रांतानयम. 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके पश्चात 'उक्त म्रिविनियम' कहा गया है), की धारा 260 जे प्रभीन गक्षम पाधिकारी की, यह विश्वास करने का. कारण है कि स्यावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये में म्रिधिक है और जिसकी सं. नोद नं. 214-ए-बी, करावी शेरी है तथा जो

और जिसकी सं. नोद नं. 214-ए-बी, करावी शेरी है तथा जो नानपुरा, सुरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप संवर्णित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुरत में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-2-1981

को पूर्वोग्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यवान प्रतिफर्न के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ध्रिष्ठिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कि सामा है:--

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा का लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थातः--

(1) श्रीमती बार्ड गांगा छाटालाल, करावीशरी, नान-पुरा, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्रीमली निरमलावेन विजयुक्तानदास जारीवाला, मोल प्रोप उपासना कोरपोरेशन, 5, भुला बिलडिंग, दूसार मंजिल, कान पिथ, सूरत। (अन्तरिती)

को य**ह** सूचना जारी करके पृ**र्वीक्**त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवा**हियां करता ह**ुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बांव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहिस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

म्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु<sup>1</sup>, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया **ड**ै।

## नमची

मिलकत जो नांद नं . 214-ए-बी, साद्गी शोरी, नानपूरा, स्रत यक्षाविधि तारीस 12-2-1981 में रिजिस्ट्री की गयी है।

> जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारीं सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजा-।।, अहमदाबाद

तारीस : 6-10-1981

प्ररूप आर्ह.टी.एन एस ------

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रॉज-।।, अहम्दाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 6 अक्तूबर 1981

निदंश न . पी. आर. न . 1193/एक्वी-23-11/81-82 --अतः म् भते, जी. सी. गर्ग, मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000 / ए. से आधिक हैं -अरि जिसकी सं नंध्र नं 328, एस . नं 42 (पी) है तथा जो नर्मादनगर प्लाट नं 57, अतवा, सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप सं र्याणत हों), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हो रेहार लिय सुरुह मी रिजस्ट्री हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीस 13-2-1981 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रिटिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह. विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के. पम्बद्ध प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अं सिरितियों) के बीच ए'से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं- किया गया है:--

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त. अर्मुभृतियभ के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या अससे बजने में सृविभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारः अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा के लिए;

वतः वदः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन निस्निल्डित व्यक्तियों अधीतः :-- (1) श्री कनचनलाल छगनलाल लिमङ्गी, मालदीबेन कानचनलाल लिमङी, नरमंदानगर, अतवा लैन्स स्रत।

(अन्तरक)

(2) श्री भूपेन्द्रा ताकोर भाई देशाई, भारतीक्षेन भूपेन्द्रा देसाई, नगरवड, नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके .पृषाँक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्परित् के, अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप है--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षिरी के पास लिखित में किए जा सुकींगे।

स्पर्वाकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्तः अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विषा गया है।

## अन्स्भी

मिलकत ओ वार्ड नं. 13, नोंद नं. 328, एस. नं. 42 (पी) नर्मचानगर, प्लाट नं. 57, नया सी. एस. नं: 1726, अतवा, सुरल यथाविधि तारीस 13-2-1981 में रिजस्ट्री की गयी  $\epsilon^5$ ।

जी. सींगर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

तारीख: 6-10-1981

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकार आय्का (निरोधण) अर्जन रोज-।।, अहम्प्दाबाद

अहमदाबाद, दिनाक 6 अक्तूबर 1981

निचोश नं. पी आर. न. 1194/एक्बी-23-11/81-82 --अतः मुक्ते, जी सी गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित आजार मृख्य 25,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं नोद न, 4528-बी., वार्ड नं 4, है तथा जो बंगमपुरा, सूरत में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय स्रत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10-2-1981

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रिक्षण के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक इप में किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने मे सृविधा के लिए;

(1) श्रीमिति सामीबेर, केवल राम कसंनदास की विधवा, नर्मादाबेन, केवलराम कर्सनदास की पुत्री, केशवलाल केवल राम नटबरलाल कंवलराम जीतूभाई केम्लराम निवनीतलाल केवलराम रक्षकानी और कुटबा की कर्ता।

(अन्तरिती)

(2) श्रीमती भानुमती जगमोहनदास, मूनिसिषल टोना-मेन्टम, किनरी सिनोमा के सामने, रिग रो, स्रत।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा,
- (क्ष) इस सूचना के राज़पत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् तिखित में किए जा सकोंगे।

श्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

#### अनुसूची

मिलकत जो नोद नं 4528-बी., वार्ड नं 4, बोगमपूरा, कार्बर सिंह शंरी, सूरत यथाविधि तारीस 10-2-1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-११, अहमदाबाव

अत∴ अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थान् :——

तारीख : 6-10-1981

्रप्रारूप आर्घः टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज∸।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अक्तूबर 1981

निवोश न. पी आर. नं \_\_1195/एक्वी-23-++<sup>/</sup>81-82 -- अतः मूभ्हे, जी. सी गर्ग, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्तं अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रुपए से **अधिक ह**ै और जिसकी सं. नोदनं 3024, वार्डनं 7, सयादप्राहै तथा जो सुरत में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवंरी 1981 को ५ प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्पमान प्रतिफल से, एसे इस्पमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय

पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

लिखित मे धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिएती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

- (1) श्री हासीम वेज्जी दादा भाई, 7-3025, दादाभाई बिलंडिंग सय्यदपुरा, सूरत। (अन्तरिती)
- (2) शैलेशक मार नरोत्तम भाई पटल 34, श्रीनीम-केतन सोमायटी, कटरागाम, सूरत। 2. जयेश बाब्भाई पटल, 34 अलकाप्री मोसायटी, सुमुल डैयरी, सूरत। 3. मणिबन माग्भाई पटल, अजाना।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति संपति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्कत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में एरिभाषित हैं, बहुई अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

## अनुसूची

मिलकत जो नोद नं. 3024, वार्ड न. 7, सयदपुरा, सूरत यथाविधि फरवरी, 1981 में रिजस्ट्री की गयी है।

> जी. सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी महायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-्।ा, अहमदाबाद

अतः अबः, उक्त अधिमियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, म', उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के कभीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारील : 6-10-1981

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

श्रायकर अभिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-।।, अहमदादाद अहमदाबाद, दिनांक 6 अक्सूबर 1981

निद्देश नं. पी. आर. नं. 1196/एक्वी-23-।। /81-82 --अतः मुफ्ते, जी. सी. गर्ग,

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निष्वाम करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये ने प्रधिक है

और जिसकी सं. नोद नं. 627, वार्ड नं. 9, वार्ड फिलिया है सध्र जो सुरक्ष में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्णरूप से धर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ला अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-2-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है ग्रीर अन्तरक (भन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त प्रन्तरण जिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अग्नरण से हुई िहसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीत कर देने के अन्तर ह के धायित्व में हमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

(1) श्री काशीराम शिवनाथ, वाडी फालिया, चकाबाला शेरी, स्रत।

(अन्तरक)

(2) चन्द्राकान्त चुणिलाल गाडवी, किरपाराय महिता कानचू, गोपीपुरा, सूरतः (2) कमुमबन चन्द्राकान्त गाडवी, गोपीपुरा, सूरतः (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उनन सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध पा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील ने 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इत सूचना के राजगत में प्रशाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर प्रशास में हितबब किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे:

स्पओकरगः ---इनिं स्पृक्त गडदों स्रौर पदों हा, जो उक्त ध्रिष्ठ-नियम के अध्यात 20-ह में परिभाषित हैं, वहीं स्रथं होगा, जो उस श्रष्ठमाय में दिया गया है।

## अभूस्ची

मिलकत जो नोद नं . 627, वार्ड नं . 9, वार्ड फलिया, सूरत यथाविधि तारील 2-2-1981 में रिजसी की गयी है।

जी. सी. गर्ग सक्ष्म प्राधिकारी अर्जन रॉज-।।, अहम्दाबाद अर्जन रॉज-।।, अहाम्दाबाद

तारीख : 6-10-1981

माहर:

## प्ररूप आई० टी० एन० एस-•--

# आयंकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2**69-म (1**) के सभीन सूचमा

#### मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्तर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-१।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अक्तूबर 1981

निदोश नं. पी. आर. नं. 1197/एक्वी-23-।।/81-82 —-अतः मुक्के, जी. सी गर्ग,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परजात् 'उन्त श्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास शरने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-इपए से अधिक है

और जिसकी सं नं 78-बी है तथा जो मेसोब, कोरायासी, सुरत में स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीक ती अधिकारी के कार्यालय स्रत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से पिछक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे पन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तर निम्नलिखित ने अस्तरिक अप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रकारक के प्रायित्व में कमी करने मा उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
  - (ख) ऐसी किसी श्रायया किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उनत अधिनियम की धारा 269-म के धनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभोन, निम्तनिश्चित व्यक्तियों, अर्थात:---

- (1) श्री महोन्द्रा सिन्ह नारसिन्ह, (2) मणाबेन नार सिन्ह गांव घुम बहला, तालूका घीरासी, सूरत। (अन्तरिती)
- (2) भागीदारों, विलित मोटोरस, उन पानी, लाल दरवाजा, सरत।
  - दौलतराय गुलाब भाई दोसाई, काटोद्रा तालूक रोज।
  - 2. भासकभाई नानुभाई दोसाई, कदोद्रा तालूक कामरोज,
  - नीरन्जन नटवरलाल देसाई कटीद्रा तालूक काम-रेज।

(अन्सरक)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्वन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिज्जित में किए जा सकेंगे।

स्वश्रीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जक्त ध्रिष्टियम के प्रश्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्म होगा जो उस घड्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

मिलकत जो गांव मेगब, ता - चोरायासी, सूरत एस नं 78-बी, यथाविधि फेब्र्वरी, 1981 में रिजस्ट्री की गयी हैं।

> जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र ज-।।, अहमदाबाद

ता्रीख : 6-10-1981

प्रसप आई॰ टी॰ एन॰ एत०-----

# श्रायकर भश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 28 क्रव (1) के संधीत सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन र्ज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अक्तूबर 1981

निदोध नं. पी. आर. नं. 1198/एक्बी-23-।। /81-82 ---अत. मुभ्ने, जी. सी गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम शाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 25,000/- रुपये से प्रधिक हैं और जिसकी सं. नांद नं. 832-बी, वार्ड नं. 3, हैं। तथा जो सामपा बेजार, नवाप्रा, सूरत में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1981

- को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्र बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल से पन्त्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित सहियम में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।—
  - (क। अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, सकत बाध-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी कपने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
  - (ख) ऐसी किसीं आय या किसी धन या अध्य आहिलयों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म के श्रन्-सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रयांत :--- (1) श्री सहिफी मुसद अतारी पूना।

- श्री सीराज मुसाङ अटारी, सामपा आजार, सुरत।
- 2. श्री घोरा मुसाड अटारी, मोर लानड बांम्बे।
- 3. श्री काकरूदीन मुसाड अंटारी, मोर लानड, (अन्तरिती)
- (2) डा. नोमान तयैव भाई मासकटी, वारीया माहाल, सुरत।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिएं कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के प्रजीत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:----

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  भूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
  भवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
  व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबंध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के भीस लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पट्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिनियम, के शब्दाय 20-क में परिभाषित है, बही धर्य दोगा, जो उस ध्रव्याय में विवा गया है

## अनुसूची

भिलकत जो नोंद नं 832-बी, वार्ड नं 3, सायपा बाजार, सुरत यथाविधि फरवरी, 1981 में रिजस्ट्री की गयी हैं।

> जी. सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रॉज-।।, अहमवाबाद

सा्रीख : 6-10-1981

मोहर ः

## प्रकृष धार्ष•दी•एम•एस•---

# आयकर **विधित्यन, 1961 (1961 का 43)** को धारा 269-व (1) के प्रधीन सुवना

#### भारत शरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-।।, अहमवाबाव

अक्षमदाबाद, दिनांक 6 अक्तूबर 1981

निदोश नं. पी. आर. नं. 1199/एक्वी-23-।।/81-82

—–अतः मुभ्ते, जी. सी. गर्ग, आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रक्षिमियम' कहा गमा है), की धारा 299-ख के प्रवीन सक्षम प्राविकारी की बह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ४० से धक्षिक है और जिसकी सं. नोंद्र नं. 2342, एफ पी. नं. 241, ही तथा जो टी. पी. एस. 5, वार्ड नं. 13, सुरत मे स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रीजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुरत में रीजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील 26-2-1981 को पूर्वीवत सम्पत्ति के खिचत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण .ह कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिषक्त से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्छह प्रतिज्ञन से प्रधिक है पीर प्रन्तरक (मन्तरकों) मौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के निय ऐसे

अम्तरण के लिए तय पाया नमा प्रतिकल, निम्नलिखित

उद्वेश्य से उक्त धन्तरण निश्चित में वास्तविक कप से कथित

नहीं विया वया है।---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे वचन में सुविधा के जिए; और/या
- (ख) ऐसा किसी आय या किसी छन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें मारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्स अधिनियम, या छन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए वा, लियाने में स्विधा के लिए।

भरा अब, उक्त ग्रीधिनियम की धारा 269-ग के शनुसरण में, में, उक्त ग्रीधिनियम की घारा 269-व की उपधार। (1) के अभीन, निम्नलिखित व्युक्तियों, अभीत्:—— (1) श्री युसफ ईसमाईल वैद, सैयदपुरा, तुराव शोरी सरत।

(अन्तरक)

(2) श्री भरतक मार विठ्ठलभाई पटेल, नाराव एपार्ट-मेन्ट को .-ओ .-है .--सोसाइटी, कैलाशनगर, सेंद-ब्रोव रोड सूरत के स्वारा आई .-ई, मीरा एपार्टमेन्ट, नानावत, पानडोल नी पोल, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ।--

- (क) इस सूजना के राज्यक्त में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की घवछि या तस्त्रंकंकी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी घवछि बाद में समान्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्व किसी भ्रग्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जी 'उन्त धिनियम' के धन्याय 20-क में परिणाणित हैं, वही अर्थ होगा जो उस धन्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

मिलकत जो बार्ड नं 13, नोंद नं 2342, एफ. पी. नं 241, टी. पी. एस. 5, सूरत यथाविधि तारीख 26-2-1981 में रिजस्ट्री की गयी हैं।

जी. सी. गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रजे-।।, अहमदाबाद

तारीख : 6-10-1981

प्ररूप आई० टी• एन० एस०---

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के ग्रधीन सूचना

#### भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, द्विनाक 6 अक्तूबर 1981

निद्देश नं. पी. आर नं. 1200 एक्वी-23-11/81-82 अतः मुक्ते, जी. सी. गर्ग, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपत ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

और जिसकी सं. आर एस. नं. 660, सी एस. नं. 1774 है तथा जा विश्वक जं को. ओप. सोसायटी लिमिटेड, कारोली-बाग, बड़ौदा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बडाँदा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूला, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशन से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन निम्नलिखन उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कृष से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) प्रत्नरण में हुई किसी प्राय की बाबत उक्त भ्रष्टि-तिरत क प्रधीत कर देते क अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधनियम, या धन-कर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में स्विधा के लिए;

अतः, भ्रव, उक्त म्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,में, खक्त म्रधिनियम की धारा 269-म की उपघारा (1) के अभ्रीम, निम्नलिखित व्यक्तियों पर्यात् :--

- (1) श्री मनुभाई राम्कृष्ण भट्ट कारोली बाग, बड़ाँदा। (अन्तरक)
- (2) श्री हितन्द्र बिहारी लाल उपाध्याय 2. उमेश बिहारीलाल उपाध्याय 30, विश्वकुण को. आंण सोसायटी कारेली बाग, बड़ौदा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के म्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी न्नाक्षीप:---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
  45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा स्रधोहस्ताक्षरी के
  पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों श्रीर पद्यों का, जो उक्त ग्रीधिनियम क श्राष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहों प्रथं होगा, जो उस ग्रष्ट्याय में विया गया है।

# अनुसूची

जमीन और मकान जो आर. एस. नं. 660, सी. एस. नं. 1774, से विश्वकुज सोसायटी लिमिटेड, कारोली बाग, बड़ादा में स्थित है और बिक्री खत नं. 618 से रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय बड़ादा में मार्च, 1981 में रिजस्ट्री की गई है, ये बिक्री खत में सपूर्णतः वर्णित है।

> जी. सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-११, अहमदाबाद

मोहर:

तारीख : 6-10-1981

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की भारा 269-अ (1) के अधीन स्चाना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज-।।, अहमवाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अक्तूबर, 1981

निदोश नं. पी. आर. नं. 1201/एक्वी-23-।। /81-82 --अतः मुफ्ते, जी. सी गर्ग,

आयकर अधिनियान, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. वोर्ड नं. 1, नोंद नं. 2165-ए और 2201-(पी) का है तथा जो नानपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची से पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजम्हीकर्ता अधिकारी के कार्यानय सुरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारील फरवरी, 1981

को पूर्वों क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक इप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किशी आय की वाबत, उक्त अधिनियम की अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्यों करे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन निम्निवित व्यक्तियों सुर्थात् :-- (1) श्री करसी केंखुसरु संहर, कुमीसन केरसी साहर, श्रीमती, फेरम्मीरा मगरबान नानपूरा, मकाईपूल सुरत।

(अन्सरक)

- (2) 1. चेयरमेन : बीपीनचंत्र धीरजलाल गोलवाला,
  - सेकेटरी : जंगितलाल विठलवास, यद्य एपार्ट-मॅट को. आपे. हाउसिंग सोसायटी।
    - 1. बरानपुरी भागल, सुरत,
    - 2. गोपीपुरा, सुरत।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्तें सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्रांशेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पेटित में हिंतबस्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

## वन्स्ची

बोर्ड नं. 1/2165-ए और 2201-ए (पैकी) बानपूरा, सुरत में स्थित मिल्कत, फरवरी, 1981 में रिजस्ट्री की गई है। मोहर :

> जी. सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

त्रारीख: 6-10-1981

मोहर 🛭

## प्रकप आह .टी.एन.एस.-----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-।।, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 7 अक्तूबर, 1981

निदोश नं. पी. आर. नं. 1202/एक्की-23-।।<sup>/</sup>81-82 ----अत. मुभ्के, जी. सी गर्ग,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 25 000/रु. से अधिक है

25 000/ रु. से अधिक हैं
और जिसकी सं. टाईप-ए, ब्लोक-4, रोड न. 3, प्लोट नं.
7, हैं तथा को उघना अद्योगनगर, उघना, सूरत में स्थित हैं
(और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं),
रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सुरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी, 1981 को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
पतिफल के लिए अन्सरित की गई हैं और मूम्में यह विश्वास
रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
ज्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-श को, जम्मरण में, मैं, उक्त अधिनिमय की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्षित व्यक्तियों अर्थातः—

- (1) रोनुका सील्क मिल्स के हिस्सोदार उघना उद्योगनगर, उघना।
  - 1. शीरीषक मार बाबुभाई गोलवाला,
  - जयश्री दीलीपकुमार गोलवाला, आर.बी. गोल-वाला फोमली ट्रस्ट ट्रस्टी
    - रजनीकान्त बाबुभाई गोलवाला
    - 2. उर्माला रजनीकान्त गोलवाला

(अंतरक)

- (2) 1 अब्दालगनी इस्माईल उगवाला
  - 2. हाजराबाई मोहम्मद कासम,
  - इब्राहीम वाली मोहम्मद ,चोक बाजार, सीधीवाड सरत।
  - 4. श्री नूरमोहम्मद मियामोहम्मद भागा तलाब, सूरत (अन्तरिती)

को यह सुमना जारी करके पुकाँकत सम्पत्ति के वर्जन को किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करों 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तबय्धे किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकंगे।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में विया गया है है

# बन्यूची

रफ्रोड नं. पर, टाईप-ए, ब्लोक नं.-4, प्लाट नं. 7 से उघना उघनानगर, मृरत में स्थित मिल्कत, फरवरी 1981 में रिजस्ट्री की गई है।

जी. सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-।।, अहमदाबाद

तारील: 7-10-1981

मोहर:

# प्रकप् बार्षः टी. एन्. एस.-----

त्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-।।, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अक्तूबर, 1981

निष्टोश नं. पी. आर. नं. 1204/एक्बी.-23-।।/81-82 --अतः मुभ्हे, जी. सी गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. नोव नं. 231, बौर्ड नं. 10 है तथा जो सूरत मों स्थित हैं (और इससे उपाबव्ध अनुसूची मों और पूर्ण रूप से विजत हैं हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत मे रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-2-1981

का, पूर्वाक्ति सम्पक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्री वार्ष जयमनगौरी हरीशंकर जोशी कलारगाम, सजानंद सोसायटी के पास स्रत।

(अन्तरक)

(2) ए. सी. अन्टरप्राईमीम के हिस्सेवार:

1. श्रीअजयव हुमार जीतेन्द्र व्यास,

 श्री चन्द्रकान्स पपटमल शाह बालाओ रांड सुरत। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किए जा सकोंगे।

स्पर्वाकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

नॉंद नं. 231, बोर्ड नं. 10 से सुरत में स्थित मिल्कत फरवरी, 1981 में रिजिस्ट्री की गई है।

> जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन र्रेज-।।, अहमवाबाद

तारीख: 7-10-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्जाज-११, अहमदाबाद

अहमदाबाद-।।, दिनांक ७ अक्तूबर, 1981

निद<sup>े</sup>श नं . पी . आर . न = 1204 <sup>/</sup>एक्वी . -32- । । /81-82 ——अत्तः, म्¥केजी सी.गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के बचीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000 / रु. से अधिक हैं और जिसकी सं. एस. नं. 49, फेक्टरी शोड, हौ तथा जो सोनगढ, जिला-स्रक्त में स्थित हैं (और इससे उपाददंध अनुस्चि में और पूर्ण रूप समे वर्णित हैं), रिजम्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, व्याश में र्राजस्ट्रीक रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीर तारील कर्न्स, 1981 को भूत्रों वर संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रसिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपरित का अधित बाजार मूल्य मूल्प, उसके इत्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रहे प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या <sup>छि</sup>क्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विथा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिधित व्यक्तियों, अर्थातः—— 6—306GI/81

- (1) श्री प्रमूलभाई एम. गांधी वी नेशनल अन्जीनियरिंग कत्म्द्रवशन का. बडाँदा। (अन्तरक)
- (2) श्री नटवरलाल एम शाह के द्वारा वी सैन्ट्रल पल्प मील सानगढ़, सुरता

(अन्त**िरती**)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति बुंबारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत अधिनियम, के अध्याय. 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# ग्रनुसूची

एस . नं . 49 से सोनगढ़ , सुरत में स्थित मिल्कत फरवरी , 1981 में रजिस्ट्री की गर्झ है।

> जी सी गर्ग सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निर्रीक्षण) अर्जन रजें-।।, अहमदाबाद

तारीख: 7-10-1981

मोहर:

प्रकृप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरोक्षण)

ंअर्जन र ज-2, बंबर

बंबई, दिनांक 19 सितम्बर 1981

निर्दोश स. अ. इं.-2/3176-26/मार्च-81—-अत: म्फे, सन्तोष दत्ता, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25.000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं . स . नं 263 हि न . 1 और 8 ए सी .टी . एस . सी . 107,7 और 1076 है तथा जो शेर्ले राजन रोड , बान्द्रा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्मूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हो) , राजम्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय , बान्द्रा में रिजम्ट्रीकरण अधिनियम , 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-3-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तिरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए, और/वा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आभ्नियों करें, जिन्हें भारतीय आयकरं अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनं कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अशः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री स्टॅनिस्लास गोनुसा लिवस

(अन्तरक)

(2) श्री अस्तर हसन रिफावी और श्रीमली मीना हसन रिफावी इस्टीज आफ रोष्मा इस्ट

(अन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारील से 45 दि की निक्षित का तरमम्बनी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- मद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकरों।

स्यष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, आं उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसूची

जैसा कि विलेख सख्या 563/80 जाइंट रिजन्ट्रार बम्बर्घ (बान्द्रा) द्वारा दिनांक 23-3-1981 को रिजन्टड किया गया है।

> सन्तोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>3</sup>ज2, बम्ब**र्ड**

दिनांक : 19-9-1981

मोहर:

प्ररूप आइ रे.टी. एन. एस. -------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 'धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज-2, बंबर्ड

बंबई, दिनांक 5 अक्टूबर 1981

निद<sup>™</sup>श मं. अ.इ.ं. 2/3145-3/फेब्रु-81—अतः • मूर्फे सन्तोष दत्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक हैं और जिसकी मं. सर्वों नं 38 मीटीएस 302 तैथा जो गोराई, चोरीबली में स्थित हैं (और इससे अपाबव्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-2-1981

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिकान में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियां) के धीव एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण मं हाई किसी आय की बाबत, उवते अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने मे मृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

. अतः अब, उन्तर अधिनियम की धारा 269-ग के, अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् क्ष्मान माहर ।

(1) श्री जोसंफ थामस फेरीरा

(अन्तरक)

(2) 1. श्री मायकेल जोसेफ फेरीरा 2. कमारी नोरमन प्रसीम लईस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोचत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्बत्ति में हितखड़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्थब्दीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

## अनुस्ची

जैसा कि विलेख सं: एस 133/81 उपरजिस्ट्रार बम्बर्द दुवारा दिनांक्र 9-2-81 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> सन्तोष दत्ता सक्षम प्राधिकारी **सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)** अर्जन रंज2, बम्बई

दिनांक : 5-10-81

मोहर 🛭

# प्ररूप आइ' वी एन् एस

आयुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

#### भारत सरकार

# कार्याचम, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

बम्बई-2, दिनांक 5 अक्तूबर 1981 वस्बई-11, दिनांक 5 अक्तूबर 1981

निवंक सं. अ. इ. 3148-6/फोबू -81—अतः मुक्ते, संतोष दत्ता, मामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रहः से अधिक है

और जिसकी सं. सी. एस. नं. 1092 और 1489 है तथा जो माहीम में स्थित है (और इससे उपाबक्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बह में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-2-1981

का वृतां कत संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिनित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया हैं:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अभि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकार अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त अधिनियम, कौ धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिवित ज्यिक्तयों, अर्थात्:--- 1. श्रीमती आईशाबाई हाजी उस्मान

(अन्तरक)

2. श्री हाजी ईस्माईल अहमद मुकादम

(अन<del>्द्र</del>िरती)

- (1) हाजी अबदूल गनी इंब्राहीमभाइ
- (2) हाजी अबदूल रजाब मुकादम
- (3) हाजी इस्माईल अहमद मुकादम
- (4) उमेरभाई लतीफभाई
- (5) अतीलाहा जब्बारसान

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवां कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित मो हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी को पास लिखित मो किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या 1094/80 उपरिजस्ट्रार, वम्बद्द द्वारा दिनाक 16-2-1981 को रिजस्टर्ड किया गया है।

संतोष दस्ता सक्षम प्राधिकारी, महायक आयकार आयुक्त, (निरक्षिण) अर्जन रॉज-2, बम्बई

ता**री**ल . 5-10-1981

मोहर :

## प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस ..-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यासम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, प्ना-411004

पूना-411004, दिनाक 10 मित्तम्बर 1981

निर्देश सं. सी. ए. 5/एस. आर. कल्याण/फेब्. 81/ 531/81-82--यतः मुक्ते, शशिकान्त कालकणीः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000∕- रत. से अधिक है और जिसकी सं. सि. स. नं. 2.895 और 2.95-1 प्स. नं. 91/2 और 140/3 प्लाट न $\cdot$  202 है तथा जो रामबाग गली नं. 'ओ', कल्याण में स्थित ही (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दय्यम निबंधक कल्याण में , रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीस 21-2-1981 को पूर्वीक्त संपत्ति के उमित बाजार मृल्य से कम के ध्रयभान प्रसिक्कल के लिए म्रन्तियत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकत्त से ऐसे दुश्यनान प्रतिकत्त का पन्द्रह प्रतिगा घश्चिक है

और अण्तरक (मन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्नरितियों) के

बीच ऐसे अन्तरम के लिए तप सम्माया प्रतिफल, निम्नलिखित

उद्देश्य से उत्त अन्तरग निवित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं

यया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिये; और/या
- (ख) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---  श्री श्रीपाद सर्वोत्तम मृले और रामबाग गली, नं. 'आ' अल्याण

(अन्तरक)

2. श्री एम. अं गाडगिल, सचिव, इदिरा सहकारी गृह निर्माण सोसायटी मर्यादित, रामबाग गली नं 'ओ', कल्याण, जिल्हा ठाणे (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 कि दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना कि तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपित्त में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इममे प्रयुक्त शन्दों और पदी का, जो उत्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में वियह गया है।

#### अनुसूची

खूली जमीन और इमारत जो सि. म. नं . 2895 , 2951 ए, स. नं 91/2 , और 140/3 , प्लाट नं . 202 , रामबाग गली, नं . 'ओ' कल्याण में स्थित हैं। जिसका क्षेत्र 252 स्के . यार्ड हैं।

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत विलेख क 383 जो 21/2/81 को दर्यम निबंधक कल्याण के दफ्तर संलिखा है।)

> शशिकान्त क्लकणीं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रोज, पूना-411004

तारीख · 10-9-1981

मोहर :

प्रकृप आई. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की. भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>ा</sup>ज, पूना-411004

पुना-411004, दिनांक 10 सितम्बर 1981

निद्रांश मं. सी. ए. 5/एस. आर. वार्ष्ट/फोब. 81/532/81-82—यतः मूर्भे, शशिकान्त कुलकणीं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/—रु. से अधिक हैं और ज़िसकी सं. न 18/2 हैं तथा जो मेटेग्ताड गांव ता.

और ज़िसकी सं. न 18/2 है तथा जो मेटग्नाड गांव ता. वाई., जि. सानारा में स्थित है (और इसमें उपाबव्ध अन्-सूची में और पूर्ण रूप से विर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय द्य्यम निवंधक वाई में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीस

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री भोंडर रावजी पवार और सहा श्री शंकर विनोबा चौधरी और बारह श्री बाबुराव नारायण बावलेकर और पांच रा. मेटगृताड ता. वाहाँ, जि. सातारा (अन्तरक)
- श्री श्रीनिवास महादेव साने, वैभव श्रध्दानंद पथ, डॉबिवली (इस्ट), जि. ठाणे (अन्तरिती)

को.यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्धि किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरण:—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

प्रापटी जा. सं. नं. 18/2 मेटग्ताड गांव, ता. वा**र्ड**, जि. सातारा में स्थित है। जिसका क्षेत्र 1 होक्टर—19 आर है।

(जैसे की रिजिस्ट्रीकृत विलेख क्र. 155 जो 27/2/81 को द्य्यम निबंधक वार्ध, जि. सातारा के दफ्तर में लिखा है।

शशिकान्त कुलकर्णी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रोज, पुना-411004

तारील <sup>·</sup> 10-9-1981 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-घ .(1) के अभीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्सा, दिनांक 15 मितम्बर 1981,

निर्देश स. ए सी. क्यू आर -कल/टी आर.-522/80-81/सी.-588—-यत मुफे, आर्द. वी एस. जुनेजा,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बौजार मृत्य 25,000/रु से अधिक हैं

और जिसकी स 56 है तथा जो पार्क स्ट्रीट में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप में वर्णित हों), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-2-1981

को पूर्वों कत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, एसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कृत निम्नितिस्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह अभारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत:--

- श्री मन्तोष क्मार मिल्लक एण्ड आदार्स (अन्तरक)
- 2. मिस राणा निसात, जवाद, एण्डं आवार्स (अन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सूनारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पासं लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

56, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में अब स्थित 16 कअ 14 छटाक, 30 वर्ग फीट जमीन पर एक तल्ला मकान का अविभक्त रेहिस्सा जी. 10-2-81 तारील में डी**ड** नं. 1-884 अनुसार रिजस्टर आफ एयसुर न्स का **द**फ्तर में रिजस्ट्रि हुआ।

> आर्द्दः वी. एस. जूनेजा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, कलकत्ता

तारीय : 15-9-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- थ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

क्लांगलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जनरंज, कलकत्ता

कालकत्ता, दिशाक 23 सितम्बर 1981

सी -32/आर-।।<sup>/</sup>कल /81-82--T ∸यत , म्भो, के स्निहा, भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्रीधिकारी को, यह विश्वास करने का क्पूरण है कि अधावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा. से अभिक है और जिसकी स दागन - 95 है तथा जो पटलाली, थाना -मोहोशतला, 24 - परेगणा रिधन दी (और इससे उपाबदश अन-स्ची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजरद्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डी आर अलिघ्र परगता 24 में , रजिस्ट्रीकरण ·अधिनियम , 1908 (1908 का 16)बोङशीन ,तारी**ल1**2-2-81 को पूर्वीक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के इह्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचितः बाजार

मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक

रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में किमी किरने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एरेंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्नरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निक्मसिवित स्यक्तियों अर्थातः--

- (1) उपा एटलश हाइड्रानिक इक्विपमेन्ट लि (अन्तरिती)
- (2) श्री सतोष कामार पाल

(अन्तरक)

को यह स्वान जारी करके प्वानित सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहित्या करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जों भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जी उकत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्यित हैं, बेही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

#### भवतची

क्षंत्र - 18क 2छ. 10 ब्फ्रू. (खाली) पुटलाली, थाना महोशतला, 24 परगणा पर दौग न 95, ल न 48।

के सिन्हा स**क्षम प्राधिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन र<sup>र्</sup>ज ।। ⁄कलकत्ता, 54, रफीअहमद किदव**र्द रोड**, कलकत्ता

तारीख 23-9-1981 मोहर:

## प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 23 सितम्बर 1981

निर्दोश सं. ए. सी.-33/आर-11/कल./31-82--यतः, मुफ्ते, के. सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रा से अधिक है

और जिसकी सं. दाग नं. 826 है तथा जो चन्वननगर, थाना - महोशतला, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डी. आर. अलिपूर, 24 परगणा में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 18-2-81

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का गन्धह प्रतिष्वत से अधिक हो और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिसित उद्देश्य से उस्त अन्तरण शिस्तत में वास्तिवक का निम्नलिसित उद्देश्य से उस्त अन्तरण शिस्तत में वास्तिवक

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाम की भावत जक्त अधि-नियम के अधीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (प) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा की लिए;

जतः जवः, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीन :-- 7—306GI/81

(1) उषा टोलिहायेष्ट लि.

(अन्तरिती)

(2) श्रीमती मुसिल अकलिमा बीबी और 7 अन्यान्य। (अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्वध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त कांद्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# जन्मू जी

क्षेत्र - 2 बी. 13क. 12छ. 18 वर्ग फुट चन्दननगर थाना -महोशतला, 24 परगणा पर स. नं. - 896, दाग नं. 826 और 823.

के. सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रंज । /कलकत्ता 54, रफीअहमद किववर्ष रोड, कलकत्ता-16

त**्रीब** : 23**-**9-1981

मोहर:

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 23 सितम्बर 1981

निर्दोश नं. ए. सी.-34/आर-।।/कल./81-82---यतः मुक्ते, के. स्निहा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25.000/- रुपए से अधिक है

अरैर जिस्की मं. दार नं. 96 है तथा जो पटकाली, थाना महोश-टोला, 24-परगणा मो स्थित है (और इसमें उपाम्द्ध अनुमूची में और पर्णक्प में वर्णित है), रिजस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डी. आर. अलिप्र में, रिजस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीस 12-2-81

को पर्नोक्त सम्पिति के उचित बाजार सत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथाप्यों क्त सम्पित्त का उचित बाजार, मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का एन्दह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रित्ती (अन्तरित्यों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब जरून अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मंं, जरून अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :——

- (1) मैसर्स उषा टलीहायस्ट लिमिटेड
- (अन्तरिती)
- (2) श्री मंतीय कुमार पाल

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाें का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे विया गया है।

# अन्सची

क्षेत्र - 2 बी. - 4कं. - 12छ. 25 व. फ. (क्षेली) पुटलाली, भाना - महोशतला, 24 - परगणा पर, दाग नं. - 95 ख. नं. 84।

के. सिन्हा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार आय्वत, (निर्नाक्षण) अर्जन रॉज ।।/कलकत्ता 54, रफीअहमद किदशई रोड, कालकत्ता-16

ता्रीख : 23-9-1981

मोहर ;

श्रुक्ष आई'.टी.एन्.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- थ (1) के अधीन स्थान

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आध्वत (निर्राक्षण) अर्जन क्षत्र 57-रामतीर्थ मार्ग, लखनउठ लखनउठ, दिनांक 8 सितम्बर 1981

निवास न. जी. आई आर. सख्या ए-103/अर्जन--अतः, मुभ्ने, अमरसिंह विसेन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- का अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 25,000/ रा. से अधिक हैं

और जिसकी स. 40 प्रिंसिथियेटर है तथा जो का 1/7 भाग हजरतगंज लखनऊ में स्थित है (और इससं उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हजरतगज लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक 4-2-1981

(1908 का 16) के अवान, रिवनिक 4-2-1981 को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के ख्रियमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफाल से, एसे द्रियमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में वास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हार्क किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियस के अभीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थं जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसा चाना जाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन निमनिष्णु व्यक्तियों स्वित्तिः--

(1) श्री मथ्राप्रसाव शाह

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अन्नपूर्ण देवी

(अन्तरिती)

(3) सर्वश्री देवीलाल शाह (2) सुन्दर लाल शाह (3) लोलो-यती दंवी (4) बी. दंवी (5) गर्नेश लाल शाह (6) जगदीश प्रसाद तथा मैसर्स कृष्णा रस्टोरेन्ट किराये-दार मैसर्स काफी हाउन्स किरायेदार

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पृतित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ग्रेगा हैं।

# अनुसुची

प्रिन्स थियटेर सनीमा मय भूमि, भवन, फरनीचर, फिटिंग्स फिक्सचर्स मेसर्स कृष्णा रोस्टोरोन्ट व काफी हाउस इत्यादि स्थित 40 हजरतगंज लखने का 1/7 भाग तथा वह सम्पूर्ण संपत्ति जो सेलडीड और फार्म 37-जो संख्या 843/81 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार लखने के कार्यालय में दिनांक 4-2-1981 को किया जा चूका है।

अग्नर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयक्त, (निरीक्षण) अर्जन रोज, लखनज

ता्रीख: 8-9-1981

मोहर 🗯

प्ररूप बाइ . टी. एन्. एस.-----

जायुकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वु (1) के अधीन सूचना

#### भारत तरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र 57-रामतीर्थ मार्ग, लखनजन सखनजन, दिनांक 10 सितंबर 1981

निद्धान नं. जी. आई. आर. संख्या वी-53/अर्जन--अतः, मुभ्के, अमरसिंह बिसेन,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. सं अधिक है

और जिसकी सं. 6 है तथा जो आर्यनगर कालोनी हल्का-चेतगंज वाराणसी में स्थित है (और इससे उपावव्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनांक 11-2-1981

को पूर्वेक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल स. एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कम से कि सित नहीं किया ग्या है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, अधृति :---

- (1) 1 अर्थिनगर सहकारी गृह निर्माण समिति वाराणसी द्वारा अध्यक्ष डा. भगवानदास अरोड़ा पुत्र श्री वरकत राम आरोड़ा।
  - 2. नरन्द्र कुमार

(अन्तरक)

- (2) श्री विजय बहादुर सिंह, श्रीमती रूपकला देवी
- (3) उपरोक्त अन्तरिती

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्क पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया हैं।

#### अनुसूची

प्लाट नं. 6 और उस पर बना हुआ। मकान स्थित आर्यनगर कालोनी हल्का घेतगंज वाराणसी शहरवा वह संपूर्ण संपरित जो सेलडीड और फार्म 37 जो संख्या 1280 में वर्णित हैं जिनका पंजीकरण सब रिजस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 11-2-1981 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसोन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, लखनऊ

तारीख: 10-9-1981

मोहर:

प्ररूप आई ० टी० एन० एस० 🖚

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सदायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, नहीं दिल्ली-110002 नहीं विल्ली, दिनांक 1 अक्तुबर 1981

संवर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 1/एस-आर-3/2-81/2884, --- चुंकि मैं आर. जी. एल. अग्रवाल, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु. से अधिक ह<sup>2</sup> और जिसकी संख्या प्लाटनं. जे-5 ए हैं एवं जो ग्रीन पार्क, नई दिल्ली मे स्थित ह<sup>5</sup>, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक फरवरी, 1981 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य के कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ए'से दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से शुर्क किसी आय की आवत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृतिधा के लिए;

(1) श्री तोज पाल सिंह सुपुत्र श्री त्रीलोक सिंह बी-3/19, राना प्रताप बाग, विल्ली (अन्तरक)

(2) श्री अविनास बिन्दल सुपूत्र श्री जे. पी. बिन्दल, एफ-59, ग्रीन पार्क, नर्ह दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल- धर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

प्लाट नं. जे-5 ए, क्षेत्रफल 463 वर्ग गज, ग्रीन पार्क, नहीं विल्ली

> आर. बी. एल. अग्रवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज-1, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

त्रारीख : 1-10-1981

मोहर 🖫

## संघ लोक सेवा आयोग

#### मोटिस

# सहायक **इंजी**नियर (के॰ लो॰ नि॰ वि॰) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा 1982

#### नई दिल्ली, दिनांक 31 ग्रक्तूबर 1981

सं० एफ० 15/1/80 प० J (ख) -- भारत क राजपन्न दिनांक 31 अक्तूबर, 1981 में निर्माण श्रीर श्रावास मंत्रालय द्वारा प्रकाशित नियमों के अक्तूमर केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में विष्ठ इंजीनियरों (सिविल/वैद्युत) की सहायक इंजीनियरों के ग्रेड (सिविल/वैद्युत) में पदीक्रांत हेतु संघ लोक सेवा श्रायोग द्वारा 6 श्रप्रैल 1982 को बम्बर्स, कलकता, दिल्ली, विसपुर (गोहाटी) इटानगर, काठमांहू, मन्नास, नागपुर श्रीर पोर्ट ब्लेयर में एक सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित की जाएगा।

प्रायोग यवि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीववारों की उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्द के केन्द्र वेने के सभी प्रयास किए जाएंगे ता भी प्रायोग परिस्थितिवश किसी उम्मीववार को प्रपनी विवक्षा पर प्रव्सा केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीववारों को उक्त परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय मारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) को जानकारी दे वी जाएगी (ज्ञनुसंध परा 8 देखिए)।

- 2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की लगभग संख्या निम्नलिखित हैं:--
  - (1) सहायक इंजीनियर (सिविन) 50 (प्र० जा० के उम्मीदवारों के लिए 8 भीर ग्र० जा० के उम्मीदवारों के लिए 4 मार्राक्तत रिक्तियों सम्मिलित हैं) ।
  - (2) सहायक इंजीनियर (धैद्युन) 15 (श्र० जा० के उम्मीदयारों के लिए 3 श्रीर श्र० ज० जा० के उम्मीदयारों के लिए 1 श्रारक्षित रिक्रियों सम्मिलित 🖔 ।

उपर्यक्त संख्याभों में परिवर्तन किया जा सकता है।

विशेष घ्यान वें:-- उम्मीदवार जिस ग्रेड भ्रथीत् महायक इंजीनियर (सिविल)
या सहायक इंजीनियर (बैंड्न) की प्रतियोगिता परीक्षा में
सम्मिलित होना चाहते हैं, अपने श्रावेवन पत्नों में उसका
स्पष्ट उल्लेख करे।

3. परीक्षा में प्रवेश चाह्ने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित भावेदन-प्रव पर सिचव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउम, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित भावेदन-प्रपन्न तथा परीक्षा से संबंध पूर्ण विवरण वो ६पए देकर भायोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सिचव, संघ लोक सेवा भायोग, धौलपुर हाउस, मई दिल्ली-110011 को मनीभाडेंर हारा या सिचव, संघ लोक सेवा भायोग, को मई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आडेर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआडेर/पोस्टल आडेर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए आएंगे। ये भावेदन-प्रपन्न भायोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए आ सकते हैं।

दो ६पए की यह राणि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट:--जम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे प्रपने धावेवनपत्न सहायक इंजीनियर (के० लो० नि० वि०) सीमित
विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा (1982) के लिए निर्धारित
मृद्धित प्रपन्न में ही प्रस्तुत करें। सहायक इंजीनियर (के० लो०
नि० वि०) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा 1982 के लिये
निर्धारित ग्रावेवन-प्रपन्नों से इतर प्रपन्नों पर प्रस्तुत धावेवनपन्नों पर विचार नहीं किया जाएगा।

4 भरा हुआ प्रावेदन पत्न आवश्यक प्रलेखों के माथ गांचव, संघ लोक सेवा भायोग धौलपुर हाउस, नई विस्ली-110011 को 14 दिसम्बर, 1981 (14 विसम्बर, 1981 से पहले की किसी तारीख से भसम, मेथालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, विपुरा, मिनिकम, जम्मू भौर कथ्मीर राज्य के लहाज प्रभाग, अंडमान भौर निकोबार क्षीप समृह् या लक्षद्वीप भौर विदेशों में रहने नाले उम्मीवनारों के या जिनके धावेदन उपर्यंक्त में से किसी एक क्षेत्र से डाक द्वारा प्राप्त होते हैं उनके मामले में 28 दिसम्बर, 1981) तक अवश्य भिजवा विया जाए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने नाले किसी भी धावेदन-पत्न पर विचार नहीं किया जाएगा।

श्रसम, सेघालय, श्रवणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिकिकम, जम्मू श्रीर कथमीर राज्य के लहाख प्रभाग, श्रंडमान श्रीर निकी-वार द्वीपममूह या लक्षजीप श्रीर विदेशों में रहने वाले उम्मीक्षारों में श्रायोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 14 दिसम्बर, 1981 से पहले किस तारीख से श्रमम, मेघालय, श्रवणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागलैंड, त्रिपुरा, सिकिकम, जम्मू श्रीर कश्मीर राज्य के लहाख प्रभाग, श्रडमान श्रीर निकोबार द्वीप-समृह या लक्षजीप या विदेशों में रह रहा था।

टिप्पणी:--जो उम्मीववार ऐसे क्षेत्र के हैं जो जहां के रहने वाले आवेदन की प्रस्तुति हेतु अतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हें आवे-वन पत्न के संगत कालम में अपने पतों में अतिरिक्त समय के हकवार दलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थाल् असम, मेचालय, जम्मू तथा कम्मीर राज्य का लहाख प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त गमय का लाभ न मिले।

5 परीक्षा में प्रवेश चाह्ने वाले उम्मीदवारों की भरे हुए आवेवन-पत्र के साथ आयोग को रु० 28.00 (अट्ठाइस रुपए) [अनुसूचित जातियों धौर अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु० 7.00 (सात रुपए)] का शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, सच लोक मेवा आयोग को नई विल्ली के प्रधान डाक्षघर पर देय रेखांकिन भारतीय पोस्टल आउँ या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली की स्टेट बैंक आफ इंडिया की मुख्य शाखा पर देय स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित शैंक अपट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले ज़म्मीदवारों को निर्धारित शुस्क भारत के उच्च भायुक्त, राजवूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो, के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा भायोग--परीक्षा शुस्क" के लेखाशीर्ष में जमा हो जाए भीर उन्हें प्रावेदन पन्न के साथ उसकी रसीद लगा कर भेजनी चाहिए।

जिन भावेदन-पत्नों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एक दम अस्वी-कार कर विया जाएगा।

6. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुरुक का भुगतान कर विया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे द० 15.00 (पंद्रह क्पए) [अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के मामने में ६० 4.00 (चार रुपए)] वापस कर दिए जाएंगे।

उपर्युक्त व्यावस्था को छोड़कर धन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न सो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी धन्य परीक्षा या चयन के लिए धार-कित रखा जा सकेगा।

7. भ्रावेदन-पत्न प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की वापत्ती के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के भ्रानुरोध पर किसी भी परिस्थित में विचार नहीं किया जाएगा।

विनय हा, संयुक्त सचिव, संघ लोक सेवा **मायो**ग সন্ধগ

#### उम्मीदवारी की सन्देश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे श्रावेदन-प्रपत्न भरने से पहिंग मोटिस भीर नियमावली को ध्यान से पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैटने के पान भी हैं या नहीं, निर्धारित गतौं में छूट नहीं थी जा सकती है।

भावेदन पत्न भेजने से पहले उम्मीदवार को नीटिस के पैरा 1 में विए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का स्वयुक है, भंतिम रूप से चुन लेना चाहिए।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से संबद्ध अनुरोध को सामान्यतया स्थीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार प्रपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु आवेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लाक सेवा आयोग को एस बात का पूरा औचित्य बनाते हुए एक पल रिजस्टर्ड डाक से अवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यां चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गुणवक्षा के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 6 मार्च, 1982 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थित में स्थीकार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को स्रावेदन प्रपन्न तथा पावती कार्ड अपने हाम से प्रे स्थाही से या बाल प्यार्डट पैन से ही भारने चाहिए। प्रधूरा या गलत भरा हुआ प्रावेदन-पन्न अस्वीकार कर विया जाएगा।

उम्मीदबार यह ध्यान रखें कि धावेदन पल भरते समय उन्हें भारतीय धांकों के केवल मंतर्राष्ट्रीय रूपों का ही प्रयोग करना है। चाहे माध्यमिक स्कृल छोड़ने के प्रमाण-पल या इसके समकक्ष प्रमाण-पल में जन्म की तारीख हिन्दी धांकों में दर्ज है तो भी उम्मीवनार यह सुनिश्चित कर ले कि वे भावेदन प्रपत्न में प्रविष्टि करते समय इसकी भारतीय भांकों के केवल मंतर्राष्ट्रीय रूप में ही लिखें। वे इस बारे में विशेष सावधानी बरतें कि मावेदन पल में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट भौर सुपाठ्य हों। यदि दे प्रविष्टियां भपाठ्य या भ्रामक है तो उनके निर्वचन में होने वाली भ्रांति या संदेह के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होंगे।

उम्मीदवार यह भी ज्यान रखें कि आयोग आवेदन पत्न में प्रविष्टियों में परिवर्तन करने से संबद्ध किसी भी पत्न व्यवहार को स्वीकार नहीं करेगा। इसलिए उन्हें आवेदन पत्न सही रूप से भरने के लिए विशेष साब-धानी बरतनी चाहिए।

उम्मीदवार मपना भावेबन-पक्ष मपने विमाग था कार्यालय के प्रधान को प्रस्तुत करें जो भावेदन-पन्न के अन्त में पृष्ठीकन को भर कर उसे भायोग को भेज देंगे।

- 3. उम्मीवबार. की अपने आवेदन-पक्त के साथ निम्नलिखित प्रलेख अवस्य भेजने चाहिए:---
  - (i) निर्धारित शुरूक के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल भार्डर या बैंक ड्राफ्ट (वेखिए नोटिस का पैरा 5)।
  - (ii) उम्मीदवार के हाल ही के पास पोर्ट आकार (लगभग 5 सें मी०×7 सें० मी०) के फोटो को दो एक जैसी प्रतियां।
  - (iii) जहां लागू हो वहां भनुसूचित जाति/मनुसूचित जन जाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्न की ध्रिभिप्रमाणित/ प्रमाणित प्रतिलिपि [वेखिए नीचे पैरा 4 (iv)]।
  - (iv) भरा १ आ उपस्थिति-पत्नक (मानेदन प्रपक्ष के साथ संलग्न)
  - (v) लगभग 11.5 सें० मी० × 27.5 सें० मी० म्राकार के दो बिनाटिकट लगे लिफाफे जिन पर मपनापतालिखा हो।

टिप्पणी (i) :-- उम्मीववारों को भ्रापने झानेवन-पत्नों के साथ उपर्युक्त मद
(iii) में उल्लिखित प्रमाण-पत्नों की केवल प्रतियां ही
प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपितित भ्रधिकारी
द्वारा अभिप्रमाणित हों भ्रथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही

प्रमाणित हों । लिखित परीक्षा के परिणाम सम्भवतः सितम्बर, 1982 में घोषित किए जाएंगे। जो जम्मीदवार परीक्षा-परिणाम के श्राधार पर व्यक्तित्व परीक्षण हेतु माक्षात्कार के लिए श्रहेता प्राप्त कर लेते उन्हें उपर्युक्त प्रमाण-पन्न मूल रूप में प्रस्तुत करना होगा। जम्मीववारों को साक्षात्कार के समय उक्त प्रमाण-पन्न मूल रूप में प्रस्तुत करने के लिए तैयार रखना चाहिए। जो उम्मीववार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पन्न मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे जनकी जम्मीववारी रह् कर दी जाएगी श्रीर जनका श्रागे विचार किए जाने का दावा स्थीकार नहीं होगा।

हिष्पणी II: --- ग्रावेदन पत्नों के साथ भेजी गई प्रमाण-पत्न की ग्राधि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रति पर उम्मीदवार की हस्ताक्षर करने होंगे ग्रीर तारीख भी देनी होगी।

- 4. पैरा 3 की मद (i) से (iii) तक उस्लिखित प्रलेखों के विवरण मीचे दिए गए हैं,
- (i) (ग) निर्धारित णुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल धार्डर प्रत्येक पोस्टल धार्डर प्रनिवार्यतः रेखांकित होने चाहिए धौर उस पर "मचिव, संघ लोक सेवा धायोग को नई दिल्ली के प्रधान डाक घर पर वेय" लिखना चाहिए।

किसी अन्य प्रकार पर देय पोस्टल धार्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए आएंगे । विरूपित या कटे फटे पोस्टल धार्डर भी स्वीकार नहीं किए आएंगे।

सभी पोस्टल ग्रार्डरों पर जारी करने याले पोस्टमास्टर के हस्ताक्षर ग्रीर जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

जम्मीदवारों को यह प्रवय्थ नीट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल प्रार्श्वर नतो रेखांकित किए गए हों भीर नहीं सिवद, संघ लोक सेवा भायोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

### (ख) निर्धारित गुल्क के लिए रेखांकित मैंक ब्राफ्ट :---

बैंक झाफट स्टेट बैंक झाफ इंडिया की किसी शास्त्र से प्राप्त किया जाए भीर वह सचिव, संघ जोक सेवा शायोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया की मुख्य शाखा, नई दिल्ली में वेय हो तथा विधिवत् रेखोंकित किया गया हो।

किसी प्रान्य बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्थीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्थीकार नहीं किए जाएंगे। टिप्पणी:—- उम्मीदवारों को प्रपने प्रावेदन-पन्न प्रस्तुत करते समय बैंक श्रुफ्ट की पिछली श्रोर सिरे पर श्रपना नाम तथा पत्ता लिखना चाहिए। पोस्टल श्रार्डरों के मामले में उम्मीदवार को पोस्टल श्रार्डर के पिछली श्रोर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर श्रपना नाम तथा पत्ता लिखें।

फोटो की दो प्रतियां : - उम्मीदवार को ग्रापने हाल ही के पासपोर्ट भाकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां ग्रवण्य भेजनी चाहिए। इनमें री एक प्रति श्रावेदन-प्रपत्न के पहले पृष्ठ पर भीर कूसरी प्रति उपस्थिति पत्नक में दिए गए स्थान पर चिपका देना चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति पर सामने की भ्रोर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

(iii) यदि कोई उम्मीदवार किसी ध्रनुसूचित जाति या ध्रनुसूचित जम जाति का होने का दावा करे तो उसे ध्रपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता पिता (या जीवित माता या पिता) ध्राम तौर से रहते हों, जिला ध्रधिकारी या उप मण्डल ग्रधिकारी या निम्म-लिखित किसी ध्रन्य ऐसे ग्रधिकारी से जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह

12304	भारत का राजपत्त, श्रवतूबर 31,
हो, तीचे दिए गए फार्म में प्र प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करमं पिता बोनों की मृत्यु हो गई हो सं	सक्तम प्रधिकारी के कप मैं नामित किया भाज-पन्न लेकर उनकी एक प्रक्रिप्रमाणित/ ो चाहिए । यदि उम्मीदवार के माता भीर गयह प्रमाण-पन्न उस जिले के ग्राधिकारी म्मीदवार श्रपनी शिक्ता से मिन्न किसी प्रन्य हो ।
	पवों पर नियुक्ति के लिए ग्रावेवन करने
	नुसूचिस जन जातियों के उम्मीववारों द्वारा
प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाणपत्र व	ग फार्म :
प्रमाणित किया जाता है कि	श्री/श्रीमती/कुमारी*
सुपुत्र/सुपुस्री*	जो गोव/कस्बा
	/संय* राज्य क्षेत्र
	·-के/की* निवासी <b>हैं</b> -
	———— जाति/जन*
जाति के/की* हैं जिसे निम्नसि जनजाति के रूप में माध्यता दी	खित के श्रधीन श्रनुसूचित जाति/धनुसूचित* गई है।
संविधान (ग्रनुसूचित जातियां) ग्र	ावेश 1950 I <sup>*</sup>
संविधान (भनुसूचित जन जातिया)	मावेश, 1950 <del>।*</del>
संविधान (ग्रनुसूचित जातियां	(संघ राज्य क्षेत्र) बादेश, 1951।*
संविधान (ग्रन् सूचित जन जातियां)	(संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951।*
भारेश, 1956, बम्बई पुशर्गठन नियम, 1966, हिमाचल प्रवेश स्रोत (पुनर्गठन) मधिनियम 19	मुसूचित जन जातियां सूची (मानोधन) प्रधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गेटन मि ध राज्य मधिनियम, 1970, उत्तर पूर्वी 71 तथा भनुसूचित जातियां भौर भनु- गोधन) मधिनियम, 1976 द्वारा स्था
	-\
	र) भनुष्यित जातिया मावेश, 1958 (द्वीपसमृह) मनुस्चित जन जातिया मावेश
1959	(क्षायतम्ह) अनुदायत यम यात्रया आवश
	त जन जातिया मादेश (संशोधन) मधि- स]।
संविधान (वादरा भीर नागर हवेर	ति) अनुसूचित जातियां भावेश, 1962।*
संविधान (वादरा श्रीर नागर ह 1962।*	वेली) भनुसूचित जन जातियां, भावेश,
<b>संविधान (पांडिचेरी) प्रमुस्</b> चित प	ातियां भावेश, 1964 I*
संविधान (धनुस्चित जन जातियां	) (उत्तर प्रदेश) भावेश, 1967।*

संविधान (गोवा, दमन तथा दियु) श्रनुसूचित जातियां आदेश, 1968।\*

संविधान (गोवा, दमन तथा वियु) अनुसूचित जन जातियां घादेश, 1968।\*

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970।\*

संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जाति प्रादेश, 1978।

सं**विधान (सिविक्**म) धनुसूचित जन जाति बावेश, 1978 ।

<ol> <li>श्री/श्रीमती/कुमारी*</li> </ol>	
भौर/या* जनका परिवार ग्रामतौर गांव	*/ <del>कस्या*</del>
जिला/मण्डल*	में राज्य/संब*
राज्य क्षेत्र	<b>में</b> रहते/
रहती* है ।	
	हस्ताक्षर
	**पवमाम
स्थाग	(कार्यालय की मोहर सहित)
तारीख	

राज्य/संय\* क्षेक्ष

\*ओ शब्द लागृन हो सो कृपयाकाट दें।

नोट :--यहां प्रयुक्त "धाम तौर से रहते/रहती हैं" का बर्थ वही होगा जो "रिप्रजेंटेशन ग्राफ दि पीपुल ऐक्ट, 1950" की धारा 20 में है।

\*\*जाति/जन जाति प्रमाण-पन जारी करने के लिए सक्षम भ्रष्टिकारी ।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/ग्रतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलक्टर/शिस्टी कमि-यनर/एडीयानल डिप्टी कमियनर/डिप्टी कलैक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रैट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब डिविजनल मैजिस्ट्रेट/ ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एकजीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा प्रसिस्टेंट किम-

(प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मंजिस्ट्रेट से कम भोहदे का नहीं)।

- (ii) जीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/ऐडीयनल जीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/ प्रेसिप्टेन्सी मजिस्ट्रेट ।
- (iii) रेवेन्यु अफसर जिसका भोहवा तहसीलवार से कम न हो।
- (iv) उस इलाके का सब डिबीजनल अपसर जहां उम्मीववार भीर/ या उसका परिवार भामतौर से रहता हो।
- (v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डैवलपमेंट ग्रप सर, लक्षद्वीप ।

ध्यान वें :--उम्मीदवारों को चेतावनी वी जाती है कि यदि भावेदन पक्त के साथ उत्पर पैरा 3(ii) में उल्लिखित प्रमेख रंलग्न न होगा भौर उसे न मैजने का उचित स्पण्टीकरण भी महीं दिया गया होगा हो मानेदम-पत्न ग्रस्थीकार किया जा सकता है और इस ग्रस्थीकृति के विश्व कोई श्रपील नहीं सुनी जाएगी । यदि कोई प्रलेख श्रावेदन-पत्न के साथ न में अ गए हों तो उन्हें धावेदनपत्र भेजने के बाद शीध्र ही भेज देना चाहिए ग्रौर वे हर हालत में श्रावेदन-पत्र प्राप्त करने के लिए नि-। अंतिम तारीख के बाद एक महीने के मीतर आयोग के - 🗀य में पहुंच जाने चाहिए । यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्न अस्वीकार कर विया जाएगा।

 उम्मीववार को चेतावनी वी जाती है मि वे मानेवन-पत्न भरते समय कोई झुठा ब्यौरा न दें ग्रयना किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।

जम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख भणवा उनकी प्रति की किसी प्रविध्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें भौर न कोई फीर अवल करें भीर न ही कोई फेर्अंवल किए गए झूटे प्रलेख प्रस्तुत करें।

 झाबेदन-पत्न देर से प्रस्तुत किए जाने पर वेरी के कारण के रूप में यह त**र्क स्वी**कार नहीं किया जाएगा कि म्रा**वेदन-प्रपन्न** ही म्र**म्**क तारीख को मेजा गया था। आवेदन-पत्न का मेजा जाना ही स्वतः इस बात को सूचक न होगा कि ग्रावेधनब-पक्ष पाने वाला परीक्षा में बैठने भापात्र हो गया है।

7. प्रायोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक प्रावेवन-पत्न जिसमें वेर से प्राप्त प्रावेवन पत्न भी सम्मिलत है की पावती वी जाती है तया प्रावेवन-पत्न की प्राप्त के प्रतीक के रूप में उम्मीववार को प्रावेवन पंजीकरण संख्या सूचित कर वी जाती है। यदि किसी उम्मीववार की उक्त परीक्षा के प्रावेवन पत्न प्राप्त करने के लिए निर्धारित प्रतिम तारीख से एक मास के प्रत्येर पावती नहीं मिलती है तो उसे तस्काल धामोग से पावती नेतु सम्मक करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीववार को आवेदन पंजीकरण संख्या सूचित कर दी गई है अपने साप यह सर्च नहीं है कि सावेदन पत्न सभी प्रकार पूर्ण है सौर सायोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

- इ. इस परीक्षा के प्रत्येक कम्बीववार को असके आवेषण-पक्त के परि-णाम की सूचना यवाणीध्र दे दी आएगी। किन्सु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया आएगा। यदि परीक्षा के शुक होने की सारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्न के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के बावे से बंचित हो आएगा।
- परीका में बैठने के लिए उम्मीदवार संघ लीक सेवा झायोग से कोई याता भत्ता प्राप्त करने के हकवार नहीं हैं।
- 10. प्रावेदन-पन्नों से संबद्ध पत्र व्यवहार:--धानेदन पत्नों से संबद्ध सभी पत्र ब्रावि सन्तिन, संघ लोक सेवा घायोग, धीलपुर हाउस, माहजहां रोड, नई विल्ली-110011 को मेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा भ्यौरा प्रतिवार्थ रूप से दिया जाए:--

- (1) परीक्या का नाम
- (2) परीक्षाका महीना भौर वर्ष
- (3) उम्मीवयार की भावेषन पंजीकरण संख्या/रोल नम्बर भाषता जन्म की तारीख याँव शैल नम्बर सुचित नहीं किया गया है।
- (4) उम्मीदवार का नाम पूरा तथा बड़े अक्षरों में।
- (5) धावेदन पन्न में दिया गया पन्न व्यवहार का पता।

विभोष स्थान वें (i) --जिन पत्नों सादि में यह स्थीरा नहीं होगा, संसवतः उन पर स्थान नहीं विया जाएगा।

विशेष ज्यान (ii) :--यदि किसी अस्मीवनार से कोई पत्न/संप्रेषण परीक्षा हो चुकले के बाद प्राप्त होता है तथा असमें असका पूरा नाम व प्रनुकर्माक नहीं हैतो जिस पर ज्यान न वेते हुए कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

11. पते में परिवर्तन :--उम्मीवनार की इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके झावेदन-पत्न में उल्लिखित पते पर भेजे गए पक्ष झावि, झावक्थक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर झायोग को उसकी सूचना उपर्युक्त पैरा 10 में उल्लिखित ब्यौरे के साथ, यथाणीझ दी जानी चाहिए। यद्यपि झायोग ऐसे परिवर्टनों पर झ्यान देने का पूरा-पूरा अयल्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेवारी स्वीकार नहीं कर सकता।

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 30th September 1981

No. A. 38013/1/81-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri I. J. Sharma, a permanent Section Officer and officiating Desk Officer of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Government ser-

vice, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 30th September, 1981 in terms of Department of Personnel & A.R. O.M. No. 33/12/73-Ests.(A) dated the 24th November, 1973.

Y. R. GANDHI,
Under Secy.
Union Public Service Commission

# MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R., CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the October 1981

No. K-13/71/AD.V.—In exercise of the powers conferred by Rule 9(2) of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints the following officer substantively to the post of Dy. Supdt. of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment, Department of Personnel & A.R. with effect from 20-10-1977.

S. No.								Present place of posting	Rank in which already permanent in CBI
1.	Shri Kartar Singh							GOW/Delhi	Inspector

#### The 12th October 1981

No. A. 35018/15/79-Ad.I.—Deputy Inspector General of Police. Special Police Establishment, hereby appoints Shri Debi Prasad Roy, Sub-Inspector of Police, West Bengal, on denutation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation at GOW Calcutta. in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1st September, 1981 until further orders.

Q. L. GROVER, Administrative Officer (E)/C.B.I.

# DIRECTORATE GENERAL CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110022, the 3rd October 1981

No. O. II-1602/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Narendra Kumar as General Duty Officer Grade-

II (Deputy Supdt. of police/Coy. Commander in the C.R.P. Force in a temporary capacity with effect from forenoon of 14th Sept. 1981 subject to his being medically fit

A. K. SURI,
Assistant Director (Estt.)

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 1st October 1981

No. E.-38013(4)/16/81-Pers.—The President is pleased to appoint Inspector R. S. Srivastava to officiate as Assistant Commandant, on ad-hoc basis, in the CISF w.e.f. the date he assumes charge of the said post.

2. The above appointment is purely temporary and is liable to be terminated without notice.

SURINDRA NATH, Director General/CISF

# MINISTRY OF FINANCE DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS (M.P.)

Dewas, the 30th September 1981

F. No. BNP/C/5/81.—In continuation to this Department's notification of even number dated 28-4-81 and 24-5-81, th ad-hoc appointments of the following officers are hereby extended upto the date shown against each on the same terms and conditions.:—

S. No.	Namo				 Post to which adhoc appointment is made	Date upto the ad-hoc appointment continued
1.	S/shri V. Venkataramani	•		•	Technical Officer (Printing & Platemaking)	31-12-81
2.	R. C. Agrawal .				Do.	Do.
3.	Ashok Joshi .				Do.	Do.
4.	A. D. Deshpande .				Do.	Do.

## INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENRAL OF INDIA

New Delhi-110002, the 1st October 1981

No. CA.I/323-69.—On his attaining the age of superannuation Shri A. N. Prabhushamppa, Audit Officer (Commercial)

serving in the office of the Accountant General, Karnataka, Bangalore retired from service with effect from 31-10-1980 A. N.

#### The 6th October 1981

No. CA.I/106-80.—The Addl. Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has been pleased to appoint the following Section Officers (Commercial) of the offices mentioned in column 3 below who are on deputation on foreign service to the organisation mentioned in column 4 below to officiate as Audit Officers (Commercial) under the "NEXT BELOW RULE" with effect from the date mentioned in column 5 below until further orders:—

Sl. No.							Office to which belonging	Office where working on deputation	Date of promotion
1.	S/Shri J. Jaggayya					•	Member, Audit Board & Ex- Officio Director of Commercial Audit, Hyderabad.	Andman & Nicobar Administration Port Blair.	31-10-80
2.	S. K. Gupta		٠	•			Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit, New Delhi.	Indian Drugs Pharmaceuticals Ltd., Gurgaon.	31-10-80
3.	S. R. Das	•	-		•		Accountant General-II, West Bengal, Calcutta.	Calcutta Metropolitan Development Authority Calcutta.	t 1-4-81

#### M. A. SOMESWARA RAO, Deputy Director (Commercial)

# OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL J & K

Srinagar, the 7th October 1981

No. Admn. 1/60(88)/81-82/4138-45.—The Accountant General, Jammu and Kashmir has promoted Shri M. L. Bhat, a permanent Section Officer, as Accounts Officer in an Officiating Capacity with effect from 6-10-1981 (forenoon) in the Scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200/-.

H. P. DAS

Senior Deputy Accountant General (A&E)

#### MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPAR'IMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 14th October 1981

No. 12/165/61-Admn, (G).—The President is pelased to permit Shri C. R. Pakrashi, Asstt. Industrial Designer in Small Industry Development Organisation to retire from Government service with effect from the afternoon of 31st August, 1981, on attaining the age of superannuation.

No. A-19018/221/75-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri S. C. Kumar, Asstt. Director (Gr. I) (Glass/Ceramics) in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries as Deputy Director (Glass/Ceramics) on ad hoc basis in the same office with offect from the forenoon of 11th September, 1981.

C. C. ROY Deputy Director (Admn.)

### DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 24th September 1981

No. 3/1/80-SIII Vol. I.—Consequent upon his promotion Shri R. C. Aggarwal, Sr. Engineering Assistant has assumed the charge of the post of Asstt. Engineer at Doordarshan Kendra, Srinagar in a temporary capacity w.e.f. 2-7-1981 (FN).

# The 25th September 1981

No. 10/22/79-SIII.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri M. Mathew, Sr. Engineering

Assistant (on reversion from Cabinet Sectt. where he was on deputation) to officiate on promotion in the cadre of Assit .Engineer, All india Radio, and post him at All India Radio, frivandrum with effect from the atternoon of 4-8-1981, until turther orders.

H. N. BISWAS
Deputy Director of Administration
for Director General

# DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 29th September 1981

No. A. 12026/2/80-(HQ)/Admn. I.—Shri C. Dabral, Deputy Director (Library) and Shri A. G. Patil, Additional Deputy Assistant Director (Library) in the National Medical Library are reverted as Additional Deputy Assistant Director (Library) and Librarian Grade I respectively with effect from the forenoon of the 27th August, 1981.

#### The 1st October 1981

No. A. 12025/13/80-(NTI)/Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri M. Venkata Reddy to the post of Junior Bacteriologist at the National Tuberculosis Institute, Bangalore, in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of the 5th September, 1981 and until further orders.

S. L. KUTHIALA
Deputy Director Administration (O&M)

## New Delhi, the 29th September 1981

No. A. 19018/21/81-CGHS. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. (Kumari) Purnima Sadhoo to the post of Homoeopathic Physician in the Central Govt. Health Scheme on ad hoc basis with effect from the forenoon of the 2nd July, 1981.

#### The 3rd October 1981

#### CORRIGENDUM

No. A. 19018/19/80-CGHS. I.—In this Directorate's notification No. A. 19018/19/80-CGHS. I dated the 6th March, 1981, for the name Dr. (Miss) Ravindra Tondon Karthy' read the name 'Dr. (Miss) Ravindra Dinanath Tondon.'

No. A. 19018/28/80-COHS, I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Samantarai Solen to the post of Homoeopathic Physician in the Central Govt. Health Scheme in a temporary capacity with enect from the 10th September, 1981 (forenoon) until turner orders.

T. S. RAO Dy. Director Admn. (CGHS.I)

#### New Delhi, the 1st October 1981

No. 6-42/80-DC.—The President is pleased to appoint Dr. S. K. Koy, in a substantive capacity to the post of Director, in Central Drugs Laboratory, Calcutta with effect from 1/th April, 1980.

SHIV DAYAL Deputy Director Administration (Stores)

# MINISIRY OF RURAL RECONSTRUCTION

#### DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Paridabad, the 30th September 1981

No. A. 19025/19/81-AIII.—Smt. Surinder Kaur, Senior Inspector (Group 1) has been appointed to officiate as Assu. Maintening Officer (Group 1) in this Directorate at New Deim, on ad noc basis, w.e.f. 11-9-1981 (F.N.), until turtner orders.

#### The 13th October 1981

No. A-19025/54/81-A. III.—On the recommendation of the U.P.S.C., Shri Bheemsenacharya Purohit has been appointed to officiate as Assit. Marketing Officer (Group I) in this Directorate w.e.f. 24-9-81 (F.N.) until further orders.

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

# BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 18th September 1981

No. PA/76(3)/80-R-III(I).—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Krishnamurthi Viswanathan, permanent Section Officer(A) from the Office of the Joint Controller of Dicience Accounts, Secunderabad on deputation as Assistant Accounts Officer in BAKC in the scale of pay of Ks. 650—30—/40—35—880—EB—40—960/with effect from September 10, 1981 (FN) to September 9, 1982 (AN).

#### The 22nd September 1981

#### CORRIGENDUM

Ref. No. PA/79(11)/79-R-III.—In partial modification of notincation of even number dated June 11, 1981, regarding the appointment of Shri Kartarsingh Gopalsingh Viswaney to officiate as Assistant Personnel Officer in Brabha Atomic Research Centre with effect from June 1, 1981 until further orders, the surname may be amended to read as "VASWANI" instead of "VASWANEY".

#### The 3rd October 1981

No. PA/34(2)/80-R-III.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Stanley Valsalan, a permanent Assistant Security Officer in the Bhabha Atomic Research Centre to officiate as Security Officer in this Research Centre with effect from the forenoon of September 23, 1981 until further orders.

No. PA/34(2)/80-R-III.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Basavantayya Shivalingayya Huligerimath, a permanent Assistant Security Officer in the Bhabha Atomic Research Centre at PREFRE, Tarapur to officiate as Security Officer in this Research Centre at

Bombay with effect from the forenoon of September 28, 1981 until further orders.

A. SANTHAKUMARA MENON Dy. Establishment Officer

#### Bombay-400085, the 23rd September 1981

No. Ref. 5/1/81-Estt.II/3881.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri V. R. Shiwle, Asstt. Security Officer to officiate on an ad hoc basis as Security Officer for the period from 4-6-1981 FN to 4-7-1981 AN.

O. P. BATRA Dv. Establishment Officer

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT

NAPP Township, the 1st October 1981

No. NAPP/Adm./(261)/81/S/11808.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project, Narora appoints Shrl S. K. Rastogi, a Quasi Permanent Draughtsman 'B' of Power Project Engineering Division and officiating Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in Rajasthan Atomic Power Project to officiate as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of September 5, 1981 until further orders.

A. D. BHATIA
Administrative Officer
for Chief Project Engineer

#### DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400001, the 3rd October 1981

No. Ref. 23 /9/77-Est./Vol.II/19257.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, Government of India appoints Shri Babulal Mohanlal Ganatra, Assistant Accounts Officer of this Directorate to officiate as Accounts Officer-II in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 on ad hoc basis with effect from the forenoon of May 11, 1981 upto the forenoon of September 14, 1981 in the Kota Regional Accounts Unit of the same Directorate vice Shri P. S. Rao, Accounts Officer-II granted leave and transferred to Bhaba Atomic Research Centre.

K. P. JOSEPH Administrative Officer

#### RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Anushakti-323303, the 3rd October 1981

No. RAPP/Rectt./9(9)/81/S/32.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project hereby appoints Shri R. C. Shah, a permanent Upper Division Clerk of Rajasthan Atomic Power Station and officiating Assistant Accountant to officiate as Assistant Accounts Officer in a temporary capacity in the Rajasthan Atomic Power Project with effect from the forenoon of 28th September 1981 until further orders.

M. D. GADGIL Administrative Officer (E) for Chief Project Engineer

#### (ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the

October 1981

No. AMD-1/1/81-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Israr Husain Israili as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from forenoon of September 7, 1981 until further orders.

M. S. RAO

Sr. Administrative & Accounts Officer

#### HEAVY WATER PROJECTS

#### Bombay-400008, the 30th September 1981

No. 05012/R5/OP/5739 —Officer-in-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Cadammuttu Pachupillai Radhakrishnan, a temporary Assistant Accountant in Heavy Water Project (Talcher) to officiate as Assistant Accounts Officer, in the same office, in a temporary capacity, on ad hoc basis w.e.t. July 1, 1981 (FN) to August 4, 1981 (AN) vice Shri V. B. Swamy, Assistant Accounts Officer, repatriated to his parent office.

R. C. KOTINKAR Administrative Officer

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

#### New Delhi, the 24th September 1981

No. A.32014/1/80-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Aerodrome Assistants to the grade of Assistant Aerodrome Officer, on purely ad-hoc basis, for a period of six months with effect from the date mentioned against each name or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier. They are posted at Delhi Airport, Delhi.

Sl. No., Name and Date

- 1. Shri K. M. Mehta-20-8-81.
- 2. Shri Balwant Rai-20-8-81.

S. GUPTA Dy. Director of Administration

# COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

#### Madras, the 6th July 1981

#### Customs/Establishment

No. 9/81.—Shri M. Packiam, a Union Public Service Commission candidate is appointed as Direct Recruit Appraiser (Non-Expert) in this Custom House with effect from 3-7-81 A.N. in a temporary capacity and until turther orders. He will be on probation for a period of two years.

#### The 21st July 1981

No. 11/81.—Smt. Elsi Thomas, a Union Public Service Commission candidate is appointed as Direct Recruit Appraiser (Non-Expert) in this Custom House with effect from 15-7-81 F.N. in a temporary capacity and until further orders. She will be on probation for a period of two years.

#### The 5th August 1981

No. 12/81.—Shri G. Kalyana Raman, a Union Public Service Commission candidate is appointed as Direct Recruit Appraiser (Non-Expert) in this Custom House with effect from 27-7-81 F.N. in a temporary capacity and until further orders. He will be on probation for a period of two years.

#### The 26th August 1981

No. 13/81.—S/Shri L. V. Menezes, T. R. Govindarajan and A. Vaudevan are promoted to officiate as Superintendents of Customs (Preventive) on a regular basis with effect from 13-7-81 F,N. in the Madras Custom House.

A. C. SALDANHA Collector of Customs

#### CENTRAL WATER COMMISSION

#### New Delhi-22, the Ist October 1981

No. A-19012/533/75-Estt-V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following officers to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 for a period of six months or till the posts are filled on regular basis whichever is earlier with effect from the dates noted against their names:—

S. No.	Name of officer with	desig	designation					Date of assumption of charge as EAD/AE	where posted	
	S/Shri						_			
1.	C. K. M. Nambiar Supervisor	•	•	•	•	•	•	14-8-81 (FN)	F.C.D. I Dte.	
2.	N. L. Vaghela . Supervisor			•	•	•	٠	10-9-81 (FN)	G.D. II Dte.	
3.	Madan Gopal Arora Supervisor	•	•	•			•	14-8-81 (FN)	T.D. Dte.	
4.	A. B. Thammiah . Supervisor	•		•	•	•	•	24-8-81 (FN)	C.S,M.R.S.	
5.	B. B. Mathur Supervisor	•	•	•	•		•	27-8-81 (FN)	F.E. Dtc.	
6.	S. C. Chopra . Supervisor					•	•	11-9-81 (FN)	P & I Orgn. (EXHIBITION CELL)	
7.	G. K. Swamy Supervisor		•	•		•	•	11-9-81 (FN)	Reservoir Sedimentation Dte.	

A. BHATTACHARYA, Under Secv.

#### New Delhi, the 3rd October 1981

No. A.19012/1(5)/81.Estt.I.—Chairman, CWC hereby appointed Shri P. K. Gupta, Senior Professional Assistant (Hydromet) to the grade of Extra Assistant Director (Hydromet) in an officiating capacity on ad hoc basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1200, w.e.f. the 7th September, 1981 (F.N.) for a period of 6 months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

K. L. BHANDULA Under Secy.

# MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES (COMPANY LAW BOARD)

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Vandana Pictures Limited

Jaipur, the 30th September 1981

No. STAT/1270.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Vandana Pictures Limited has this day been struck off the Register and the saiad company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Banshika Engineering and Chemical Industries Pvt. Ltd.

Jaipur, the 30th September, 1981

No. STAT/1370.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Banshika Engineering and Chemical Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Alankar Savings and General Finance Pvt. Ltd.

Jaipur, the 30th September 1981

No. STAT/1497.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Alankar Savings and General Finance Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s, Sital Financer Private Limited.

Jaipur, the 30th September 1981

No. STAT/1643.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Sital Financer Private Limited has this day been struck oil the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s, Kiwi Shawls Private Limited.

Jaipur, the 30th September 1981

No. STAT/1730.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Kiwi Shawls Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. DIXIT, Registrar of Companies Rajasthan, Jaipur

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Jamshed Vatcha Private Limited

Bombay-2, the 3rd October 1981

No. 618/4627/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Jamshed Vatcha Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Universal Nuts and Bolts Private Limited

Bombay, the 3rd October 1981

No. 15458/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Universal Nuts and Bolts Private

Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. S. N. K. Traders Private Limited

Bombay-2, the 3rd October 1981

No. 619/19349/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. S. N. K. Traders Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1950 and of M/s. Ateed Research Laboratory Private Limited

Bombay-2, the 3rd October 1981

No. 620/19454/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Ateed Research Laboratory Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Beeta Chem Private Limited

Bombay-2, the 3rd October 1981

No. 617/12141/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Beeta Chem Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Mannsfold Private Limited

Bombay, the 3rd October 1981

No. 470/13758/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Mannsfold Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Swastik Properties Private Limited

Bombay-2, the 12th October 1981

No. 15302/560(2).—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Swastik Properties Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Shamrock Products Private Limited

Bombay, the 12th October 1981

No. 469/5472/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s, Shamrock Products Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

O. P. JAIN, Addl. Registrar of Companies Maharashtra, Bombay.

#### FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III-2-81/2884.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. J-5A, situated at Green Park Extn., New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Tej Pal Singh S/o Shri Trilok Singh r/o B-3/19, Rana Pratap Bagh, Delhi.

(Transferor)

 Shri Avinash Bindal s/o Shri J. P. Bindal r/o F-59, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. J-5A, measuring 463 sq. yd. Green Park Extn., New Delhl.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 1-10-81

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR/III/2-81/2927.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

E-258, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Pradeep Kumar Khosla s/o V. R. Khosla (Vidya Sagar Khosla) 115/6, Corniwalas Street, Calcutta-4.

(Transferor)

(2) Shri Lakshmi Kant Soni & Sh. Suresh Kant Soni both sons of late Sh. M. K. Soni r/o 712, Baba Kharak Singh Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. E-258, measuring 213 sq. yd. Greater Kallash-I, N. Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 1-10-81

Scal

## FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMF-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. FSTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-81/2838.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 3, situated at Sadhna Enclave, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aforesaid property by the issue of this notice under subcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
9—306GI/81

(1) Shri V. 1F. Kulanday r/o 3. Sadhna Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Subha Lakshmi Khan 1/0 C-38, Panchsheela Fnclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 3, Sadhna Enclave, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 1-10-81

## FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Hurry Lal Goburdhan s/o late Ram Prashad Goburdhan r/o C/15, Chirag Enclave, New Delhi through attorney Smt. Usha Goburdhan.

(Transferor)

(2) Shri Arun Mittal, 5/0 Shri V. B. Mittal, r/0 A-3, Greater Kailash Enclave-I, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DFI HI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/2-81/2831.—Whereas 1, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 3 Block 'N', situated at Greater Kailash-I, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of sch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other pagets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 3, Block 'N' measuring 309 sq. yd. Greater Kailash-I, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 1-10-81

#### FORM ITNS-

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-81/2902.—Whereas 1, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S-296, situated at Greater Kailash-II. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 A. S. Raghunathan s/o late Sh. A. S. Iyengar, r/o B/5/133, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Lal s/o late Sh. Amar Nath Kainath r/o F-128, Village Mohammadpur, Near R. K. Puram, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. S-296, Greater Kailash-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 1-10-81

#### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I. H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I P ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-81/2898 —Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

E-469, situated at Greater Kailash-II. New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) lacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mis Swarna Sehgal and Mrs. Sangeeta Chopra D-289 Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Di. Raj Kumar Dogia and Mr. Parkash Dogia, G-51, Masjid Moth, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (1) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. E-469, Greater Kailash-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 1-10-81

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN I. P ESTATE, NEW DEI HI

New Delhi, the 1st October 1981

Ret No. 1AC/Acq I/SR-III/2-81/2877. -- Whereas I, R B. L. AGGARWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/and bearing No.

C-18, situated at Nizamuddin West, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facultating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shii Prem Patnaik 5/0 B. Patnaik 1/0 No. 2, Cential Avenuue, Mahaiani Bagh, New Delhi, (Transferor)
- (2) Shii Amat Ali, Hasham Ali s/o Hashmat Ali and Nasii Ali (minor) through his father Shii Hashmat Ali t/o 1335, Kalan Mahal, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 da's from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

H No. C-18, measuring 200 sq. yd. Nizamuddin West, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 1-10-81

#### [PART III—SEC. 1

#### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, H BI OCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DEI HI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC'/Acq.I/SR-III/2-81/2887.--Whereas 1, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

D-168, situated at Defence Colony, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi Feb. 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought of be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Sheila Singh w/o Late Thakur Bhagirath Singh, D-168, Defence Colony, New Delhi.
  - (Transferor)
- (2) Mrs. Mukti Roy w/o Sh. Amal Kumar Roy and Sh. Amal Kumar Roy s/o Late Dr. Lalit Kumar Ray, r/o C-162, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. D-168, Defence Colony, New Delhi, area 325 sq. yd.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date: 1-10-81

#### FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# ()FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. 1AC/Acq 1/SR-1I1/2-81/2928.—Whereas 1, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. A-68, situated at N.D.S.E. Part-II, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Itability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Pushpa Sethi w/o Shri S. P. Sethi, r/o 28, Lucknow Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Ved Kaur w|o Sardar Sajjan Singh r|o E-28A, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. A-68, N.D.S.E. Part-II, New Delhi, 250 sq. yd.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Runge-I, New Delhi

Date: 1-10-81

Seal .

#### FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 169D(1) OF THF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOMF-TAX

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE, NEW DELHI

New Deihi, the 1st October 1981

Ref. No. 1AC/Acq. I/SR-III/-81/2830. –Whereas I R. B. L. AGGARWAL.

to as the 'said Act'), have reason to believe that the imlate of the property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-13, situated at Mayfair Carden, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceaiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Asha Bhawnani w/o Mr. Hira Lal Bhawnani through attorney Mr. Badal s/o H. Uttar, r/o B/2/3, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Mahtani Mohini Thakurdas and Mr. Mahtani Thakurdas s|o Sh. Nariandas r|o B-60, Mayfair Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

CAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. B-13, in Mayfair Gardens, the Compolitan Co-op Housing Society I td., New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 1-10-81

# NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-

#### TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) New Delhi.

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq. R. B. L. AGGARWAL, IAC/Acq. I/SR-III/2-81/2892.—Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S-42, situated at Greater Kailash-II, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 10--306GI/81

(1) Sh. Gurvinder Singh Khurana, E-118, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Javard Bhai & Co. Pvt. Ltd., S-42, Greater Kailash-II,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of Official Gazette. this notice in the

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. S-42, Greater Kailash-II, New Delhi measuring 300 sq. yd.

> R. B. L. AGGARWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 1-10-1981

#### FORM ITNS-

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, II BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/2-81/2897.—Whereas  $J_{\rm t}$  R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding. Rs. 25,000/and bearing No.

B-1/12, situated at Vasant Vihar, New Delhi

(and more-fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1981

for an apparent consideration which is

less than the fan market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Chandra Bhushan, 26 Shiv Tirth I Bhulabhai Desai Road, Bombay-26.

(Transferor)

(2) Mrs. Shail Jam, 2600, Chhatta Pratap Singh, Kinarl Bazar, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

Plot No. B-1/12, Vasant Vihar, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 1-10-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/2-81/2910.—Whereas R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-E-83, situated at N.D.S.E. Part-I, New Dolhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering New Delhi in February, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dr. S. D. Verma, s/o late Sh. Hemraj Verma, r/o E-83, New Delhi South Extension, Part-I, New Delhi

(2) Sh. Tufal Ahmed 5/0 Sh. Abdul Lattife, & Mohd. Iqbal Ahmed, s/0
Tufal Ahmed,
House No. 3189, Kucha Pandit,
Lal Kuan, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

House No. E-83, area 200 sq. yd. New Delhi South Extention, Part-I, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-10-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGF-1, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi; the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/2-81/2912.—Whereas R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

D-221, situated at Defence Colony, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore-aid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Lt. Col. Sita Ram Anand s/o Shri Uttam Chand Anand, r/o 109, Victoria Road, Jabalpur, through G/A Air Cdre. A.R. Anand.

(Transferor)

(2) Dr. Suresh Muhajan 5/0 Dr. M. R. Mahajan, r/o 15571, Seven Pines Avenue, USA through Mrs. Swaran Lata Gupta G/A.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Property No. D-221, Defence Colony, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 1-10-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

IAC/Acq. I/SR-1IJ/2-81/2821.—Whereas Ref. No. R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-252, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Sh. Pawan Kumai Chandoke s/o Sh. J. R. Chandoke, y/o E-116, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Fransferor)

(2) Sh. Radha Krishan Gupta s/o Lala Raghber Dayal Gupta, Smt. Bimla Gupta w/o Radha Krishan Gupta, r/o E-252, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House No. E-252, measuring 211 sq. vd. situated at Greater Kailash-I, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 1-10-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No: IAC/Acq. 1/SR-III/2-81/2840.—Whereas I, R. B. 1. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,009/and bearing No.

E-39, situated at Kalindi Colony, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), bas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such tarnsfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Sh. Tara Chand s/o Rama Naud, r/o 13, Mumicipal Flat, Kamla Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Suresh Aggarwal, s/o Shri Dalip Singh Aggarwal, and Smt. Sneh Aggarwal w/o Shri Suresh Aggarwal, r/o 678/1, Bimla Bhawan, Kabool Nagar, Shahdara, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. E-39, measuring 418 sq. yd. Kalindi, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date: 1-10-1981

#### FORM I.T.N.S.—

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# Smt. Daya Wanti, Mis Sanjivni (minor) 704-707, Chandi Mahal, Darya Ganj, Delhi

(Transferor)
(2) M/s. Saraswati Builders Phase-II, N. Delhi,
G1/16, Darya Ganj, Delhi through
Sh. Satish Seth, M. Partner.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE-I, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq. 1, SR-111/2-81/2843,—Whereas I, R. B. L. AGGARWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

P/34, situated at N.D.S.E. II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registerding Officer at New Delhi in February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. P/34, N.D.S.E. Part-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 29C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 1-10-1981

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

\*OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUÍSITION RANGE-1, H BLOCK VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 1st October 1981

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2481/2911.....Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

11/90, situated at Connaught Circus, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in February 1981 for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Rallias India Ltd.
   Through its attorney Shri Amar Nath Piyare Lal
   R/o No. 13, Jaipur Estate, Nizammuddin, East,
   New Delhi.
- (2) M/s. Rajiv Motors Pvt. Limited, 11/90, C. Circus, New Delhi.

(Transferor)
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property No. 11/90, Connaught Circus, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
H Block, Inder Prastha, Estate, New Delhi

Date: 1-10-81

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380 009, the 5th October 1981

Ref. No. P.R. No. 1188 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot No. 326 Sector No. 22, situated at Gandhinagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar on 26-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

11-306GI/81

 Lalbhai Chaturbhai Patel and Madhuben Lalbhai Patel; Sector No. 22, Gandhinagar.

(Transferce)

(2) Shri R. J. Patel; Sector No. 22, Plot No .326, Gandhinagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building bearing Plot No. 326, Sector No. 22, situated in Gandhinagar Town Ship and as fully described as per sale deed No. 309, registered in the office of Sub-Registrar, Gandhinagar on 26-2-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Ahmedabad

Date: 5th October, 1981

#### FORM ITNS----

(1) Patel Rameshbhai Maganbhai, Vishwas Colony, Alkapurl, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

12) 1. Patel Jitendrakumar Maganbhai;

Old Padra Road, Baroda.

2. Patel Bakul Dahyabhai; 3. Patel Urvashi Paritosh;

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th October 1981

Ref. No. P. R. No. 1189 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Block No. A-4/6, B.I.D.C. Ltd. Estate situated at Gorwa, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 27-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Obections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land and Industrial shed bearing Block No. A4/6 situated at B.I.D.C. Ltd., Estate, Gorwa, Baroda and as fully described as per sale deed bearing Regr. No. 1210 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda on 27-2-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Ahmedabad

Date: 5th October, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Natwarlal Jethalal; Pushpaben Natwarlal; Narsing Sheri, Sagrampura, Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Nirmalaben Jayvadan; Partner of M/s. C. B. Construction Co. Narsing Sherl, Sagrampura, Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th October 1981

Ref. No. P. R. No. 1190 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 960, Wd. No. 2, situated at Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 2-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apprent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 960, Wd. No. 2, Surat duly registered on 2-2-81.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II,
Ahmedabad

Date: 6th October, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th October 1981

Ref. No. P. R. No. 1191 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

S. No. 110 Plot No. 11-A (Paiki) Wd. No. 13-C, Nondh No. 450 C.S. No. 20, Plot No. 11A, situated at Majura Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 2-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Gunvantrai Nanubhai Desai; Navchetan Society; Majura, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Pankajkumar Hasmukhlal Kapadia; Sadhana Society, Varachha Road, Surat

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

The property at Majura, S. No. 110, Plot No. 110A(P), Wd. No. 13-C, Nondh No. 450, New C.S. No. 20(P) Plot No. 11-A, Surat, duly registered on 2-2-81,

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II,
Ahmedabad

Date: 6th October, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th October 1981

Ref. No. P. R. No. 1192 Acq.23- $\Pi/81$ -82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herein referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Nondh No. 214-A-B, Kharadi Sheri, Nanpura,

situated at Surat

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 12-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Bai Ganga Chhotalal; Kharadi Sheri, Nanpura, Surat.

(Transferor)

Smt. Nirmalaben Vijbhukhandas Jariwala;
 Sale Prop. Upasana Corporation,
 Bhula Building, 2nd Floor, Kan Pith,
 Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the arcresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 214-A-B, Kharadi Sheri, Nanpura, Surat duly registered on 12-2-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Ahmedabad

Date: 6th October, 1981

#### FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Kanchanlal Chhaganlal Limdi; Maltiben Kanchanlal Limdi; Narmadnagar, Athwa Lines, Surat.

(Transferor)

 Shri Bhupendra Thakorbhai Desai; Bharatiben Bhupendra Desai; Nagarvad, Naysari.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

> Ahmedabad-380009, the 6th October 1981

Ref. No. P. R. No. 1193 Acq.23-JI/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 328, S. No. 42(P) Narmadnagar, Plot No. 57 situated at Athwa, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 13-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Wd. No. 13, Nondh No. 328, S. No. 42 (P) Narmadnagar, Plot No. 57, New C.S. No. 1726, Athwa, Surat, duly registered on 13-2-1981.

G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 6th October, 1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th October 1981

Ref. No. P. R. No. 1194 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Nondh No. 4528-B, Wd. No. 4, Begampura, situated at Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 10-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrtument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Somiben Wd/o Kevalram Karsandas;
Narmadaben daughter of Kevalram Karsandas;
Keshavlal Kevalram
Natverlal Kevalram
Nevnitlal Kevalram
Nevnitlal Kevalram

(2) Smt. Bhanumati Jagmohandas; Municipal Tenaments, Opp. Kinnery Cinema, Ring Road, Surat.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 4528-B, Wd. No. 4, Begampura, Kaversing Sheri, Surat duly registered on 10-2-1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Ahmedabad

Date: 6th October, 1981

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th October 1981

Ref. No. P. R. No. 1195 Acq.23-II/81-82,—Whereas, I, G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Nondh No. 3024, Wd. No. 7, Saiyadpura situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Hasim Dayii Dadabhai;
 7-3025, Dadabhai Building,
 Salyedpura,
 Surat,

(Transferor)

Shaileshkumar Narottambhai Patel;
 Shriniketan Society, Katargam,
 Surat.
 Jayesh Babubhai Patel;
 Alkapuri Society, Sumul Dairy,
 Surat.
 Maniben Mangubhai Patel;
 Ajanna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 3024, Wd. No. 7, Saiyedpura, Surat duly registered in February, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range II,
Ahmedabad

Date: 6th October, 1981

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Kashiram Shivnath; Wadi Falia, Chakawala Sheri, Surat.

(Transferor)

(2) 1. Chandrakant Chunilal Gadhvi; Kirparai Mehta Khancho, Gopipura, Surat. Kusumben Chandrakant Gadhvi, Kirparai Mehta Khancho, Gopipura, Surat.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-11, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

> Ahmedabad-380009, the 6th October 1981

Ref. No. P. R. No. 1196 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 627, Wd. No. 9, Wadi Falia,

situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

Surat on 2-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of the such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-12-306GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used hereIn as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 627, Wd. No. 9, Wadi Falia, Surat duly registered on 2-2-81.

> G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 6th October, 1981

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 6th October 1981

Ref. No. P. R. No. 1197 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I. G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 78-B, situated at Mesob, Taluka: Choryasi, Surat (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the offict of the Registering Officer at Surat on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
  of the transferor to pay tax under the said Act, in
  respect of any income arising from the transfer;
  and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, inlitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Malrendrasinh Narsinh;
 Maniben Narsinh;
 Village: Dumbhal; Taluka: Choryasi, Surat.

(Transferor)

 Pattners of Lalit Motor, Una Pani, Lal Darwaja, Surat.
 Dolatral Gulabbhai Desai, Katodra, Tal. Kamrej,
 Bhaskarbhai Nanubhai Desai, Katodra, Tal. Kamrej.
 Niranjan Natvarlal Desai, Katodra, Tal. Kamrej.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Village Megab, Taluka Choryasi, Surat S. No. 78-B duly registered in February, 1981.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II,
Ahmedabad

Date: 5th October, 1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

> Ahmedabad-380009, the 6th October 1981

Ref. No. P. R. No. 1198 Acq.23-II/81-82,-Whereas, I. G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Nondh No. 832-B, Wd. No. 3, Zampa Bazar, Navapura, situated at Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on February, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Saifi Musad Attari, Poona. 1. Shri Siraj Musad Attari, Zampa Bazar, Surat. 2. Sehra Musad Attari, Mor Land, Bombay, 3. Kakhrudin Musad Attari, Mor Land, Bombay.

(Transferor)

(2) Dr. Noman Taiyabbhai Maskati, Daria Mahal, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 832-B, Wd. No. 3, Zampa Bazar, Surat duly registered in February, 1981.

> G. C. GARG, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 6th October, 1981

#### FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

> Ahmedabad-380009, the 6th October 1981

Ref. No. P.R. No. 1199 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Nondh No. 2342, F.P. No. 241, TPS. 5, Wd. No. 13 situated at Surat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 26-2-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Yusuf Ismail Vaid; Salyadpura, Turav Sheri, Surat.
- (Transferor)

  (2) Shri Bharatkumar Vithalbhai Patel; Nirav Apartment Coop. Housing Society; Kailashnagar, Ghoddod Road, Surat. C/o I-E, Mira Apartment. Nanavat, Pandol ni Pole, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Wd. No. 13, Nondh No. 2342, F.P. No. 241, TPS. 5, Surat duly registered on 26-2-81.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 6-10-1981

Baroda.

Karelibaug,

#### FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (Transferor) (2) Shri Hitendra Biharilal Upadhyay, and Shri Umesh Coop. Hag.

(1) Shri Manubhai, Ramakrishna Bhatt,

Biharilal Upadhyay; 30, Vaishwakunj Society Ltd., Karelibaug, Baroda.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

> Ahmedabad-380 009, the 6th October 1981

Ref. No. P.R. No. 1200 Acq.23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. R.S. No. 660, C.S. No. 1774, situated at Vaishwakuni Coop Hsg. Society Ltd., Karelibaug, Baroda,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Baroda in March 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Land and building bearing R.S. No. 660, C.S. No. 1774 situated in Vaishwakuni Coop. Hag. Society Ltd., Karelibaug, Baroda and as fully described in sale-deed bearing Regn. No. 618 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda in the month of March 1981.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 6-10-1981

#### FORM LT.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 6th October 1981

Ref. No. P.R. No 1201 Acq 23-II/81-82.--Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Ward No. 1, Nondh No. 2165-A & 2201 of (P) situated at Nanpura, Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in February 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aferesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

(1) Shri Kersi Kekhsaru Saher Kumiben Smt. Kermira Magarban Nanpura, Makaipul, Surat. (Transferor)

1. Chairman: Bipinchandra Dhirajlal Golwala;
 2. Secretary: Jayantilal Vithaldas,

Yash Apartment Coop Housing Society:

1. Baranpuri Bhaga, Surat.

2. Gopipura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

### THE SCHEDULE

Property at Wd. No. 1/2165-A and 2201-A (paiki) Nanpura, Surat duly registered in February, 1981.

> G. C. GARG Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Ahmedabad

Date: 6-10-1981

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 7th October 1981

Ref. No. P.R. No. 1202 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

No. Type A, Block 4, Road No. 3, Plot No. 7, situated at Udhna Udyognagar, Udhna, Surat,

(and more fully described in the Schedule annaxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in February 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the acfressid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Partners of Renuka Silk Mills: Udhna Udyognagar, Udhna.
  - 1. Shriishkumar Babubhai Gorwala;
  - Jayeshri Dilipkumar Golwala;
     R. B. Golwala Family Trust, trustees;
  - Rajnikant Babubhai Golwala;
     Urmila Rajnikant Golwala;
     Udhna Udyognagar, Udhna, Surat.

(Transferor)

(2) Abdulgani Ismail Unwala; Hajrabai Mohmad Kasam; Ibrahim Valimohmad; Chok Bazar, Sidhived, Surat, Shri Nurmohmad Miyamohmad; Bhaga Talav, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in this Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Road No. 3, Type-A, Block No. 4, Plot No. 7, Udhna, Udyognagar, Surat duly registered in February 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 6-10-1981

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD

Ahmedabad-380 009, the 7th October 1981

Ref. No. P.R. No. 1203 Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 231, Wd. No. 10, situated at Surat, (and more fully described in the schedule annexed hereto), been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 23-2-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the lame of this sotice under execution (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Shri Bai Jaymangauri Harishanker Joshi; Katargam, Nr. Sajanand Society, Surat.

(Transferor)

(2) Partners of A.C. Enterprises;
1. Shri Ajayakumar Jitendra Vyas;
2. Chandrakant Boantlel Shak;

 Chandrakant Popatial Shah; Balaji Road, Surat.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immergable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning are given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 231, Wd. No. 10, Surat duly registered in February 1981.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 6-10-1981

Seal

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

#### ACQUISITION RANGE-II, HANDI OOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 7th October 1981

Ref. No. P.R. No. 1204 Λcq 23-Π/81-82.—Whereas, -I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 49, Factory Shed; situated at Songadh-Dist, Surat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vyara on February 1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
13—306GI/81

(1) Shri Pıafulbhai M. Gandhi; The National Engg. Construction Co., Baroda.

(2) Shri Natverlal M. Shah; on behalf of; The Central Pulp Mill, Songadh, Surat

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property at S. No. 49, Songadh, Surat duly registered in February 1981.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 7-10-1981

(1) Stanislaus Gonsalves.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961) (2) Akhtar Hassan Rizvi & Mrs. Meena A. Rizvi Trustees of Reshma Trust. (Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 19th September 1981

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

No. AR II/3176-26/Mar.81.—Whereas, I SANTOSH DATTA,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 263, H. No. 1 & 8-A C.T.S., No. C-1077 & 1076 situated at Sherly Rajan Rd. Bandra

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bandra on 23-3-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

or for 1922

Schedule as mentioned in the Registered deed No. 563/80 as registered with the Joint Sub-registrar, Bombay (Bandra) on 23-3-1981.

THE SCHEDULE

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 19-9-1981

#### PORM ITNS-

(1) Joseph Thomas Ferriera.

(Transferor)

(2) Michael Joseph Ferreira & Norman Francis Lewis.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th October 1981

Rcf. No. AR-II/3141-3/Feb. 81.—Whereas, I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Survey No. 38, C.T. S. No. 302 situated at Goral VIII. Borivli.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 9-2-1981.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to-pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered Deed No. S-133/81 with the Sub-Registrar, Bombay, on 9-2-1981.

SANTOSH DATTA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-10-1981

Seel :

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

#### ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 5th October 1981

Ref. No. AR-II/3148-6/Fcb'81.—Whereas, I, SANTOSH DATTA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. C.T.S. No. 1092 & 1489 situated at Mahim, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 16-2-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Aishabai Haji Usman.

(Transferor)

(2) Shri Haji Esmail Ahmed Makadam.

(Transferee)

- (3) Tenants: 1. Haji Abdul Gani Ibrahimbhai 2. Haji Abdul Razak Mukadam 3. Haji Ismail Ahmed Mukadam 4. Umerbhai Latifbhai 5. Ataullah Jabber Khan.
  - (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 1094/80 with the Registrar, Bombay, on 16-2-1981.

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax.
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 5-10-1981.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 10th September 1981

Ref. No. IAC/CA5/SR.Kalyan/Feb.81/531/81-82.— Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing
No. CTS No 3895 & 2951A, S. No. 91/2 & 140/3 Plot No. 202 situated at Rambaug Lane, No. O' Kalyan (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kalyan on 21-2-81 for an apparent consideration which is less than the fami market value of the aforesaid property and I have reason to

for an apparent consideration which is less than the fam market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Sripad Sarvottam Sule & Others, Rambaug Lane No. 'O', Kalyan.

(Transferor)

(2) Shii M. A. Gadgil,
Secretary of Indira Co-operative Housing
Society Ltd.
Rambaug Lane No. 'O'.
Kalyan Dist. Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, whall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing CTS No. 2895 & 2951 A, S. No. 91/2 & 140/3, Plot No. 202 situated at Rambaug Lane No. 'O' Kalyan, Dist. Thane admr. 252 Sq. Yds.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 383, in the office of the sub registered Kalyan on 21-2-81.)

SHASHIKANT KULKARNI.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 10-9-1981.

Seal .

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, PUNE

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

Pune, the 10th September 1981

Ref. No. IAC/CA.5/SR Wai/Feb.81/532/81-82.—Whereas, I, SHASHIKANT KULKARNI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

S. No. 18/2 situated at Vill. Metgutad Tal Wai, Dist. Satara,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Wai on 27-2-81

for an apparent consideration which is iess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dhondu Ravji Pawar & Others 6, Shankar Vithoba Choudhary & Others 12, Baburao Narayan Bavlekar & Others 5 at Metgutad, Tal. Wai, Dist. Satara.

(Transferor)

(2) Shri Shrinivas Mahadeo Sane at Vaibhav Shraddanand Path, Dombivii (E) Dist. Thane.

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givenin that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Property bearing S. No. 18/2 situated at Village Metgutad, Tal. Wai, Dist. Satara admr. 1 H-19R.

(Property as described in the sale deed registered under document No. 155 on 27-2-81 in the office of the Sub-registrar Wai, Dist. Satara).

SHASHIKANT KULKARNI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poons.

Date: 10-9-1981.

Scal:

(1) Santosh Kr. Mallick & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (22) Miss Rana Nishat Jawad & Ors.

may be made in writing to the undersigned-

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 15th September 1981

Ref. No. TR-552/80-81-C-588.Acq.R-I/CAL.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 56 situated at Park Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Calcutta on 10-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the libility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax -Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Undivided 1/2 share in one storeyed building being premises No. 56 park Street, Calcutta-17 measuring 16 cottabs 14 chittacks 30 sq. ft. of land registered vide Deed No. I-884 in the office of Registrar of Assurances, Calcutta on 10-2-1981.

I. V. S. JUNEJA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Calcutta.

Date: 15-9-1981,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# 1) Santosh Kumar Paul Nongee, P. S. Maheshtola, 24-Pgs.

(Transferor)

(2) Usha Atlash Hydroulic Equipment Ltd., 14, Princep Street, Cai-72.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 23rd September 1981

Ref. AC-32/R-II/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing Dag No. 95 situated at Putkhali P. S. Maheshtola, 24-Pgs

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at D. R. Alipore, on 12-2-81

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Area: 18k. 2 Nch. 10 sft. at Putkhali, P. S. Mahestola, 24-Pgs. vide Dag No 95, More particularly described in deed No. 1473 of D. R. Alipore, 24-Pgs of 1981.

K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Calcutta

Date: 23-9-1981

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 23rd September 1981

Ref. No. AC-33/R-II/Cal/81-82.—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Dag No. 826 & 823

situated at Chandannagur, P.S. Maheshtola, 24-Pgs (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at D.R. Alipore, on 18-2-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Mussit Aklima Bibi w/o Md. Musa Naskar,
   2 Asgai Ali Naskai
   3 Taher Ali Naskar

  - Bhahali Naskar
  - Musstt, Fatima Bibi
     Musstt. Zchara Bibi

  - Musstt Asma Bibi Musstt Sahera Begum. All of Vill-Jalkhul, P.S. Maheshtola, 24-Pgs

(Transferor)

(2) Usha Telehoist Ltd. 14, Princep Street, Calcutta

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Area:—2b. 13w 12 ch. 18 sft. at Chandannagar, P.S. Maheshtola, Dist-24Pgs vide Dag No 826 & 823 More particularly described in Deed No. 1714 of D.R. Alipore, 24Pgs of 1981

K. SINHA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Calcutta.

Date: 23-9-81

#### FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shii Santosh Kumar Paul, Nongee, P.S. Maheshtola, Dt 24-Pgs.

(Transferor)

(2) M/S Usha Telehoist Ltd., 14 Princep Street, Cal-72

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 23rd September 1981

Ref No. AC-34/R-II/Cal/81-82 —Whereas, I, K. SINHA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Dag No 95

situated at Putkhali, P.S. Mahanhtola, 24-Pgs (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering

Officer at

D.R. Alipore, on 12-2-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Area: 2B 4k. 12ch 25sft. at patkhali, P.S. Maheshtede, 24-Pgs, Dg No. 95. More particularly described in deed No. 1474 of D.R. Alipore of 1981.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 23-9-81

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57 RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th September 1981

Ref No. G.I.R. No. A-103/Acq—Whereas, I, A. S. BISEN.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Prince Theatre situated at 40, Hazratganj, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow

on 4-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mathura Prasad Sah.

(Transferor)

(2) Smt. Annapurna Devi.

(Transferce)

(3) 1. Shri Devi Lal Shah

2. Shri Sunder Lal Shah

3. Smt. Lilawati Devi

4. Smt. V. Devi

Shri Ganesh Lal Shah
 Shri Jagdish Prasad

7. M/s. Krishna Restaurant——(Tenant)

& M/s Coffee House (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

1/7th share in the building and appurtenances known as 'Prince Theatre' fitted with complete Westrex cinema equipment and also containing furniture fittings and fixtures situated at 40, Hazratganj, Lucknow, including M/s. Krishna Restaurant and Coffee House—total area measuring 4028 sq. It including land and building etc. and all that description of the property which is mentioned in the sale-deed and form 37G No. 843/81, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 4-2-1981.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 8-9-1981

- M/s Arya Nagar Grih Nirman Sahkari Samiti, Varanasi.
- (2) Narendra Kumar

(2) 1. Shri Vijai Bahadur Singh 2. Smt, Roop Kala, Devi

(1) 1. M/s Arya Nagar Grih Nirman Sahkari Samiti, 2. Narendra Kumar

(Transferor)

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57 RAM TIRATH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 10th September 1981

Ref. No. G.I.R. No. V-53/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing No.

6 plot and house

situated at Arya Nagar Colony, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Varanasi

on 11-2-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between, the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1 of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

House and plot of land No. 6 situated at Arya Nagar Colony, Halqa—Chetganj, Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 1280 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on 11-2-1981.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 10-9-1981

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

#### **NOTICE**

ASSISTANT ENGINEER (CPWD) LIMITED DEPART-

MENIAL COMPETITIVE EXAMINATION 1982

New Delhi, the 31st October 1981

No. F.15/1/80-E.I.(B).—A limited departmental competive examination for promotion of Julion Engineers (Civia/Electrical) to the Assistant Engineers Grade (Civia/Electrical) in the Central P.W.D. will be neld by the Union Public Service Commission on 6th April, 1982 at BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, DISPUR (GAUHAII), 11ANAGAL KATHMANDU, MADRAS, NAGPUR and PURI BLAIK in accordance with the Rules published by the Ministry of Works and Housing in the Gazette of India, Gated 51st October, 1981.

THE CENTRES AND THE DATE OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure Para 8).

- 2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of the examination is as follows:—
  - (1) Assistant Engineer (Civil)

(includes 8 vacancies reserved for Scheduled Castes and 4 vacancies for Scheduled Tribes candidates).

(ii) Assistant Engineer (Electrical) 15

(includes 3 vacancies reserved for Scheduled Castes, and 1 vacancy for Scheduled Tribes candidates).

The above numbers are liable to alteration.

N.B.—Candidates should indicate clearly in their applications the Grade i.e. Assistant Engineer (Civil) or Assistant Engineer (Electrical) for which they wish to compete.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 wince strough be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in licu of Money Orders/Postal Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

Note.—Candidates are warned that they must submit their applications on the printed form prescribed for the Assistant Engineer (CPWD) Limited Departmental Competitive Examination 1982. Applications on forms other than the one prescribed for the Assistant Engineer (CPWD) Limited Departmental Competitive Examination, 1982 will not be entertained.

+. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dhoipur House, New Delin 110011 on or before the 14th December, 1981 (28th December 1981) in the case of candidates residing in Assam, Megnaraya, Arunachai Fladesh, Mizotam, Manipur, Nagaland, Hipura, Sikkim, Ladakh Division of Jak State, Andaman and Micobai Islands of Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 14th December, 1981 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above. accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Ilipula, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to lurnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Mampur, Nagaland, Ilipula, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobai Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 14th December 1981.

Note—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

5. Candidates seeking admission to the eaxmination must pay to the Commission with the completed application form a rec to Rs. 28.00 (Rupees twenty eight) (Rs. 7.00 (Rupees Seven) in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft trom any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051 Public Service Commission— Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED.

6. A refund of Rs. 15.00 (Rupees fifteen) (Rs. 4.00 (Rupees four) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

7. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

VINAY JHA, Joint Secretary, Union Public Service Commission.

#### ANNEXURE

#### Instructions to Candidates

1. Before filling in the application form, the candidates should consuit the Notice and the Rules carefully to see i, they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRALH I OF THE NOTICE. THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidates should note that no request for change or centre will normally be granted. When a candidate, however, desiden a change in cente, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter by registered post, giving ruli justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 6th March, 1982 will not be entertained under any circumstances.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's cwill is in the or with bail-point pen. An application which is incomplete or is wrongly filled in, will be rejected.

Candidates should note that only International form 6. Indian numerals are to be used while filling up the applica-tion form. Even if the date of birth in the SSLC or it. equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidate should ensure that while entering it in the Application Form, he uses international form of indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible in case there are any illegible or misleading entries, the candidates was be responsible for the confusion and the as to caused in interpreting such entries.

Candidates should turther note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form They should, therefore, take special care to fill up the application form

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Office concerned, who will complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Commission.

- 3. A candidate must send the following documents with his application:-
  - (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee. (See para 5 of Notice).
  - (11) Two indentical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph of the candi-
  - (ui) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe where applicable [See para 4(111) below].
  - (iv) Attendance Sheet (attached with the Application form), duly filled.
  - (v) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms x 27.5 cms.

Note (1)—CANDIDATES ARE REQUESTED TO SUB-MIT ALONGWITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPY OF CERTIFICATE MENTIONED AT ITEM (111) ABOVE ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERN-

MLLLI OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSLEVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALITY FOR INTERVIEW FOR THE PERSONALITY TEST ON THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINAL OF THE CERTIFICATE MENTIONED ABOVE. THE RESULTS OF THE WRITTEN FAMILIATION ARE THE KESULIS OF THE WRITTEN LAAMINATION ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF SEPTEMBER, 1982. THEY SHOULD KEEP THE ORIGINAL OF THE CERTIFICATE IN READINESS FOR SUBMISSION AT THE TIME OF INTERVIEW. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES, WHO FAIL TO SUBMITTHE REQUIRED CERTIFICATE IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THEY WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

NOTE (11)—CANDIDATES ARE FURTHER REQUIRED TO SIGN THE ATTESTED/CERTIFIED COPY OF THE CERTIFICATE SENT ALONG WITH APPLICATION FORM AND ALSO TO PUT THE DATE.

- 4 Details of the documents mentioned in items (1) to (111) of para 3 are given below:
- (1) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee\_\_

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:--

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi, General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Detaced or mutilated Postai Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the Issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee-

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Draft's will also not be accepted.

Note .—Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders, the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

- (11) I wo copies of Photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.
- (111) A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate, in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the

State Government concerned as competent to issue such a certificate; and if both his parents are dead the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.
The form of the certificate to be produced by the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.
Tbis is to certify that Shri*/Shrimati/Kumari—of village/town*—of village/town*—of village/town*/Union Territory of—belongs to the—Caste*/Tribe which is recognised as a Scheduled Caste*/Scheduled Tribe under the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*.
the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*
the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*;
the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*;
[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Liet (Modification) Order, 1956. The Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Argun (Reorganisation Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976.
the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes, Order, 1956*
the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*.
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*.
the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheeduled Tribes Order, 1962*.
the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*
the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*.
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*
the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*
the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*
the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978*
the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978*

2. Shri*/Shrimati/Kumari————————————————————————————————————	/
Territory of ———————————————————————————————————	n
Signature* **Designation	:
(with seal of office	;)
Place	
Date	
'Please delete the words which are not applicable.	
Norg.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.	11 a-
**Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates.	
(i) District 'Magistrate/Additional District Magistrate Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Fxtra Assistant Commissioner.	:/ 5- :/ 8-
†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).	
(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.	į-
(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.	
(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.	e
(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.	<b>)-</b>
N.B.—Candidates are warned that if an application is no accompanied with any one of the documents mentioned undeparagraph 3(ii), and 3(iii) above without a reasonable	t r

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), and 3(iii) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application will be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application will be rejected.

5. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper vith any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered fabricated document.

6 The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *lpso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

7. Every application including late ones, received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of acceipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

THE STREET THE STREET WAS ASSESSED. THE STREET OF THE STREET ASSESSED.

- The fact that the Application Registration No. has been issued to the candidate does not, ipso facto mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.
- 8. Every candidate for this examination will be informed, at the earliest possible date, of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 9. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.
- 10. Communications Regarding Applications.—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI (110011), AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) APPLICATION REGISTRATION NUMBER/ ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.
- N.B. (i)—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.
- N.B. (ii)—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.
- 11. Change in Address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 10 ABOVE, ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.